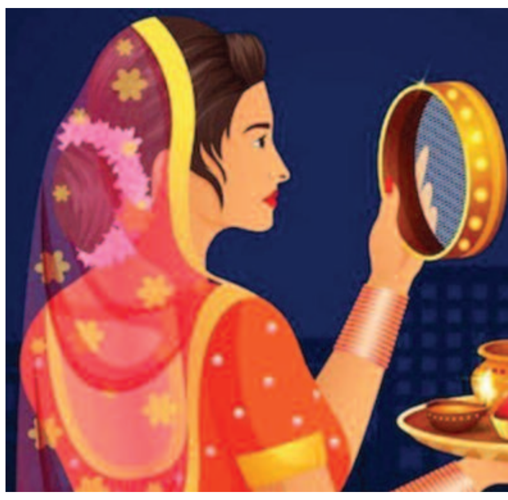

करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाएं

www.currentcrime.com

दैनिक करंट क्राइम

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। शुक्रवार 10 अक्टूबर-2025 | ● वर्ष: 10 अंक: 291 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य: ₹3

मायावती की लखनऊ रैली : 2027 से पहले दलित राजनीति की नई परिभाषा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लखनऊ का मौसम चाहे सामान्य रहा हो, लेकिन राजनीति में तापमान अचानक बढ़ गया।

कांशीराम की पुण्यतिथि पर मायावती की रैली केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं थी – यह एक राजनीतिक घोषणा पत्र थी,

जिसमें बीएसपी सुप्रीमो ने 2027 की चुनावी जंग के लिए अपना रास्ता साफ कर दियाः

हम अकेले लड़ेंगे, किसी गठबंधन के मोहताज नहीं होंगे।

यह एक वाक्य नहीं, बल्कि एक चुनौती थी – बीजेपी, सपा और कांग्रेस – तीनों के लिए।

बीएसपी की साइलेंट स्ट्रेटेजी : मायावती की राजनीति हमेशा भीड़ से नहीं, संदेश से असर डालती है।

उनकी यह रैली भी वैसी ही थी – दिखने में पारंपरिक, लेकिन अंदर से रणनीतिक।

1. संदेश साफः दलितों को यह एहसास कराना कि तुम्हारे वोट अब किसी गठबंधन की सौदेबाजी का हिस्सा नहीं होंगे।

2. संघटनात्मक पुनसंर्चारः हर ज़िले से कार्यकताओं की भीड़, बीएसपी के पुराने ढांचे में नई ऊर्जा का संकेत थी।

3. सत्ता पर निशाना, पर सीमित टोनः मायावती ने बीजेपी पर सीधी भिड़ंत से बचते हुए प्रशंसा और प्रहार दोनों का संतुलन रखा – यह बताता है कि वे अभी किसी मोर्चे पर दरवाजे बंद नहीं कर रहीं।

बीजेपी के लिए खतरे की घंटी

बीजेपी को अब तक दलित मतदाताओं का जो हिस्सा 2014 से मिला था, वह उसके वोट बेस का अहम हिस्सा बन गया है।

मायावती अगर फिर से असली दलित प्रतिनिधित्व का भाव जगा पाती हैं, तो यह बीजेपी के लिए सबसे बड़ा झटका होगा।

● मोदी-योगी सरकार ने दलित वर्ग को योजनाओं और प्रतीकों से जोड़ा है – लेकिन सम्मान बनाम पहचान की लड़ाई में बीएसपी फिर धारदार हो सकती है।

● स्मारक रखरखाव की तारीफ कर मायावती ने बीजेपी पर सीधा हमला करने की बजाय संवाद का रास्ता खुला रखा है – यह एक पुराने खिलाड़ी का शॉट है, जो आगे चलकर नई डील्स में काम आ सकता है।

सपा पर सबसे तीखा वार

मायावती का निशाना दरअसल अखिलेश यादव पर ज्यादा था।

उन्होंने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति को झूठा बताते हुए कहा कि जिन्होंने कांशीराम नगर का नाम बदला, उन्हें अब पीडीए की याद आ रही है।

यह सपा के लिए दोहरी चोट है – एक तरफ ओबीसी को साथ रखना, दूसरी तरफ दलित वोट को रोकना।

बीएसपी का यह कदम अगर जमीनी स्तर पर काम कर गया तो 2027 में सपा को वही झटका लग सकता है जो 2017 में लगा था।

कांग्रेसः मायावती के लिए आसान निशाना

कांग्रेस अब भी उत्तर प्रदेश में प्रतीकात्मक विपक्ष बनकर रह गई है।

मायावती के लिए यह पार्टी अब वैचारिक मुकाबले से ज्यादा

एक पुरानी ताकत जो दलितों को इस्तेमाल करती थी का उदाहरण बन चुकी है।

अजय राय की प्रतिक्रिया (मायावती बीजेपी की मदद कर रही हैं) दरअसल कांग्रेस की हताशा है – क्योंकि जिस वर्ग से कभी कांग्रेस की ताकत निकली थी, वह अब बीएसपी और बीजेपी के बीच बँटा हुआ है।

निष्कर्ष : मायावती का कम्बैक कोड : लखनऊ की इस रैली ने एक बात साफ कर दी – मायावती अब पार्टी बचाने नहीं, बल्कि भूमिका बदलने की राजनीति में हैं। उन्होंने न नारे बदले, न चेहरे – बस संदेश की दिशा बदल दी है। यह रैली बताती है कि राजनीति में जो चुप है, वही सबसे ज्यादा सोच रहा है। और अगर जनता की थकान सपा या बीजेपी दोनों से बढ़ी, तो 2027 का किंगमेकर फिर वही महिला हो सकती है, जिसे कभी विरोधियों ने साइलेंट पॉलिटिशियन कहा था – मायावती।

2027 का गणित – वोट से आगे, मनोविज्ञान की लड़ाई

उत्तर प्रदेश की राजनीति अब केवल गठबंधन के जोड़ पर नहीं, बल्कि भावनाओं के गुणा पर चलती है।

● बीजेपी के पास संसाधन और सत्ता की ताकत है।
● सपा के पास क्षेत्रीय उपस्थिति और यादवझमुस्लिम समीकरण।
● कांग्रेस के पास अतीत है, पर भविष्य अस्पष्ट।
● बीएसपी के पास अब भी साइलेंट वोट बैंक है – जो बोलता नहीं, पर मतदान के दिन तय कर देता है कि सत्ता किसकी होगी। अगर मायावती उस साइलेंट वर्ग को फिर से जगाने में सफल होती हैं,तो 2027 में बीजेपी बनाम सपा की सीधी लड़ाई एक बार फिर तीन कोनों की जंग में बदल सकती है – और यही खेल बदलने वाला मोड़ होगा।

बसपा सुप्रीमो की हुंकार का पड़ेगा गाजियाबाद में कितना असर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बसपा की सुप्रीमो मायावती ने एक तरह से चुनावी शंखनाद किया। उन्होंने लखनऊ में रैली को संबोधित किया और उनका पूरा भाषण दलित राजनीति पर फोकस रहा। उन्होंने बसपा की साइलेंट रणनीति पर बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा को अब तक दलित मतदाताओं का जो हिस्सा 2014 में मिला था, वो अब नहीं मिलेगा। मायावती ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा और उनके निशाने पर कांग्रेस भी रही। 2027 को लेकर बसपा सुप्रीमो एक लंबे समय के बाद सामने आई। सवाल ये है कि गाजियाबाद में मायावती की हुंकार का कितना असर पड़ेगा। यहां पर बसपा के सामने दो बड़ी चुनौती, कमजोर संगठन और कामचलाऊ उम्मीदवार हैं। हाल ही में उपचुनाव हुआ तो पहले एक उम्मीदवार आया, फिर उसे हटाया और दूसरा उम्मीदवार आया और नतीजा हार के रूप में सामने आया। यहां मेयर चुनाव में बसपा दमयंती गोयल के चुनाव से लेकर सुनीता दयाल के चुनाव तक चौथे नंबर पर रही है। विधानसभा में वो 2012 से इंतजार कर रही है। लोकसभा चुनाव में वो सपा के साथ आकर भी देख चुकी और अकेले लड़कर भी देख चुकी। उसके हिस्से में अब वोट नहीं आते हैं। उसके उम्मीदवार रातों रात आते हैं और चुनाव हारकर अपने घर लौट जाते हैं। चाहे वो सुधन रावत हों, चाहे वो पुंडीर हों, सबकी कहानी एकसी है। ऐसे में सोशल इंजीनियरिंग की बात करें या कैडर वोट की बात करें तो दोनों ही मामलों में गाजियाबाद सबसे कमजोर है। यहां हाथी का संगठन कमजोर है, उसके पास चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का टोटा है। ऐन मौके पर उम्मीदवार इंपोर्ट किये जाते हैं। यहां इतने वर्षों में सियासी गंगा में बहुत पानी बह गया है। कभी यहां चुनाव जीतने वाले बसपा के विधायक सुरेश बंसल अब दुनिया में नहीं हैं। अमरपाल शर्मा अब दूसरे दल में हैं। वहाब चौधरी सियासी रूप से उतने एक्टिव नहीं हैं और लोनी के जाकिर अब समाजवादी पार्टी में हैं। ऐसे में यहां बसपा का हाथी किन उम्मीदों पर उम्मीदवार को वोट दिलवायेगा ये समय बताएगा।

डीएम ने 35 अधिकारियों की सैलरी की होल्ड

गाजियाबाद, करंट क्राइमः सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आईजीआरएस पोर्टल और जन शिकायतों के निस्तारण में फोकस रहता है। ऐसे मामलों में गाजियाबाद के भीतर लगातार लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने 35 विभागों के अधिकारियों का वेतन रोकने का कड़ा कदम उठाया है। सितंबर माह में इन अधिकारियों को आईजीआरएस पोर्टल पर जनता से एक भी संतुष्ट फीडबैक नहीं मिला।जिस डीएम रविन्द्र कुमार ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल जनता और प्रशासन के बीच सीधा संपर्क है। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान और जनता की संतुष्टि सुनिश्चित न होने तक किसी भी अधिकारी का वेतन जारी नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता से कार्रवाई करने और जनता से व्यक्तिगत संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

लापरवाही पर कार्रवाई वाला हुआ है एक्शन

करंट क्राइम : जिलाधिकारी रविंदर कुमार ने बताया कि बार-बार निर्देशों के बावजूद कई विभाग शिकायतों को सिर्फ औपचारिकता के तौर पर निपटा रहे थे। इससे जनता असंतुष्ट रही, और इसी कारण कठोर कदम उठाया गया। वेतन रोके गए विभागों में अधिशाषी अभियंता प्रांतीय खंड, जिला खेल अधिकारी, परियोजना निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला दिव्यांगजन अधिकारी सहित अन्य शामिल हैं। डीएम ने अगले 15 दिनों में सुधार रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। यदि जनता से संतोषजनक फीडबैक नहीं मिला, तो और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से अधिकारियों में जवाबदेही बढ़ेगी और जनता का प्रशासन पर विश्वास मजबूत होगा।

आप दोनों जो इतना मुस्करा रहे हो क्या बात है जिसको छिपा रहे हो...

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में कुछ चीजें अभूतपूर्व होती हैं और कुछ चीजें संदेश लेकर आती हैं। राजनीति के दो छोर जब एक साथ मिलकर हंसने पर जोर लगाए तो ये माना जाता है कि कुछ तो कहानी है जो ये नहीं बता रहे हैं। आखिर ये दोनों इतना क्यों मुस्करा रहे हैं। 2027 को लेकर कई कयास लग रहे हैं और इन सबके बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा फोटो आया जिसको लेकर सभी ने अपने अपने स्तर पर कयास लगाया।

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर आई जिसमें पूर्व अध्यक्ष साथ हैं और वर्तमान अध्यक्ष साथ हैं और इस फोटो में दोनों की खिलखिलाहट ही सबसे बड़ी बात है। सवाल ये भी उठा कि आज ये दोनों इतने पास हैं। 2027 में देखेंगे कौन किसके आस है और कौन किसके पास है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ये फोटो भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा और भाजपा के वर्तमान महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की है। संजीव शर्मा कल तक अध्यक्ष थे और आज वो शहर विधायक हैं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की बात करें तो उनका किरदार भी इस पद के लायक हैं। वो कई बार से चुनावी दावेदारी कर रहे हैं। राजनीतिक रूप से परिपक्व हैं और पृष्ठभूमि से लेकर कर्मभूमि तक भाजपाई हैं। अब वो महानगर अध्यक्ष हैं और हर अध्यक्ष की तमन्ना विधायक बनने की होती है। ये तमन्ना बड़ी स्वभाविक भी है क्योंकि भाजपा की परिपाटी में ये शामिल रहा है कि जिन्होंने अध्यक्ष वाला ताज पहना है वो फिर विधायक भी बने हैं।

पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर अध्यक्ष रहे हैं, पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी अध्यक्ष रहे हैं, पूर्व मेयर अशु वर्मा अध्यक्ष रहे हैं, मौजूदा समय में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा भाजपा अध्यक्ष रहे हैं। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे हैं। ऐसे में जो भी अध्यक्ष पद पर आसीन हैं वो कहीं ना कहीं मन में विधायक होने की हसरल लेकर चलते हैं और परिपाटी को देखते हुए ये हसरत सही भी है। हालांकि कई और भी अध्यक्ष हैं जो आजतक वेटिंग लिस्ट में हैं। चर्चा तब शुरू हुई जब महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और शहर विधायक संजीव शर्मा का ये फोटो सामने आया। राजनीति में ये कहा जाता है कि दावेदारी वालों से हाथ नहीं मिलाया जाता है क्योंकि जब एक ही गोल के लिये दो टीमें लड़ रही हों तो उनके बोल भी अलग होते हैं। अब राजनीति में हमेशा खतरा अपने ही दल के प्रतिद्वंदी से रहता है।

यहां कहावत है कि विपक्ष वालों से डर नहीं लगता मगर, दावेदारी में समकक्ष वालों से बहुत चोकस रहना पड़ता है। वैसे भी मयंक गोयल शहर सीट से दो बार दावेदार रहे हैं। पिछले दिनों मयंक गोयल ने साफ-साफ कहा था कि शहर सीट से टिकट नहीं मांगूंगा, लेकिन कहीं से तो मांगेंगे। कहीं से तो दावेदारी करेंगे और वैसे भी राजनीति में सियासी वादों पर ज्यादा भरोसा नहीं करना चाहिए। कभी संजीव शर्मा ने भी सुनील शर्मा का हाथ उठाकर माता रानी के कार्यक्रम में कहा था कि 2022 में टिकट नहीं मांगूंगा मगर वो उपचुनाव में उस वाली विधानसभा से ना होकर इस वाली विधानसभा से टिकट ले आये। ऐसे में दावेदारियों का करंट बना रहता है। जब मयंक गोयल और संजीव शर्मा मुस्कराने के इस अंदाज में दिखाई दिये तो शहर विधानसभा से लेकर गाजियाबाद की लोकसभा तक चर्चा होने लगी। वैसे भी जब शहर विधानसभा की बात हो तो ये कहा जाता है कि जब आता है मेरा नाम तेरे नाम के साथ तो कई लोग जल जाते हैं।

सुना है कि यहां दावेदारी में वैश्य कोटे के टोटे का जिक्र हुआ है। हालांकि जब सांसद, एमएलसी, मेयर पर बात होती है तो कोटे वाले भी कह देते हैं कि अजी विधानसभा में तो कुछ मिला ही नहीं। ऐसे में जब इतना मुस्कराकर दोनों मिले हैं तो चर्चा यही हो रही है कि आप इतना क्यों मुस्करा रहे हो, कोई तो ऐसी बात है जिसे छिपा रहे हो। ये मुस्कराहट भविष्य में कब तक कायम रहेगी ये देखने की बात है। यहां हर सीट पर प्रतिद्वंदी बैठे हैं और कयास इसी बात को लेकर है कि क्या ऐसी बात कही है जो दोनों को आ रही इतनी हंसी है। राजनीति में भी वैसे जो साथ-साथ मुस्कराते हैं वो कभी आमने-सामने भी आ जाते हैं। कभी अतुल गर्ग भी तत्कालीन राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल के साथ मिलकर एक मुहिम में साथ-साथ थे। मगर, कब राहें अलग हुईं इसका अंदाजा इस हाथ से उस हाथ को नहीं लगा और लोकसभा में वो गुल खिला कि राज्यसभा वाले देखते ही रह गये।

नगर निगम के टैक्स नोटिस ने जनता की दीपावली की मिठास कड़वी कर दी : पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी

ये हलवे में कंकड़ जैसा अनुभव दे रहा है।

टैक्स में बढ़ोत्तरी इतनी अधिक है कि इसे आसानी से हाजमोला खाने के बाद भी हजम करना संभव नहीं हो पा रहा है।

जब नगर निगम बोर्ड ने सर्वसम्मति से बढ़े हुए टैक्स को निरस्त करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया था तो लगा था कि अब शहर के लोगों को राहत मिलेगी।

महानगर की जनता ने भाजपा के तीन माननीय विधायकों, दो माननीय मंत्रीगणों और एक माननीय विधान परिषद सदस्य को जनता की बात लखनऊ में रखने का दायित्व सौंपा है।

अब सब जनप्रतिनिधि मौन हैं – कोई कुछ नहीं बोल रहा है।

इतनी असहाय जनता शायद पहले कभी नहीं रही और न जनप्रतिनिधि कभी इतने मौन रहे।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से जीएसटी की दरों में कमी करने की घोषणा करके सभी देशवासियों को एक खुशी का संदेश दिया था। और फिर नवरात्रों से जीएसटी की दरों में कमी लागू करके दीपावली से पूर्व ही सारे देश को दीपावली का उपहार दिया। लगा कि सारा देश इस उपहार से झूम रहा है। गाजियाबाद में नगर निगम बढ़े हुए टैक्स के नोटिस दे रहा है। बार बार मैसेज भेज कर बढ़े टैक्स के भुगतान का दबाव बना रहा है। ये हलवे में कंकड़ जैसा अनुभव दे रहा है। अभी जीएसटी की कमी का तो कोई उपहार मिला नहीं, नगर निगम के बढ़े टैक्स के नोटिस ने जायका बिगाड़ दिया है। टैक्स में बढ़ोत्तरी इतनी अधिक है कि इसे आसानी से हाजमोला खाने के बाद भी हजम करना संभव नहीं हो पा रहा है।

जब नगर निगम बोर्ड ने सर्वसम्मति से बढ़े हुए टैक्स को निरस्त करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया था तो लगा था कि अब शहर के लोगों को बेतहाशा बढ़े हुए करों से राहत मिलेगी। उस समय मेयर सुनीता दयाल जी की जो प्रतिक्रिया पढ़ने को मिली उससे इस धारणा को बल मिला कि गाजियाबाद को बड़ी राहत मिलने जा रही है। उस बोर्ड बैठक को काफी समय बीत गया है लेकिन उस प्रस्ताव पर कोई अमल होने का समाचार नहीं मिला।समाचार पत्रों के माध्यम से ही कभी कभी पता चलता है कि पार्षदों का एक प्रतिनिधि मंडल लखनऊ जाकर उच्च अधिकारियों से मिला है।निष्कर्ष क्या निकला पता नहीं चला।महानगर की जनता ने भाजपा के तीन माननीय विधायकों, दो माननीय मंत्रीगणों और एक माननीय विधान परिषद सदस्य को जनता की बात लखनऊ में रखने का दायित्व सौंपा है। फिर पार्षद क्यों लखनऊ दौड़ लगा रहे हैं? अभी दो चार दिन पहले प्रभारी मंत्री जी से भी पदाधिकारियों ने बढ़े टैक्स के संबंध में चर्चा की है, ऐसे समाचार जरूर पढ़े लेकिन निष्कर्ष क्या निकला पता नहीं चला।

हमें भी एक छोटे से समय के लिए जनप्रतिनिधि रहने का अवसर मिला लेकिन हम तो जनता से बहुत डरते थे। अपना अधिकतर समय इस कार्य में लगता था कि जनता में ठीक संदेश जाय। जनता खुश रहे। हमारा बड़ा समय सफाई में निकलता था। लेकिन अब सब जनप्रतिनिधि मौन हैं। कोई कुछ नहीं बोल रहा है। माननीय सांसद जी माननीय विधायक गण, माननीय मेयर साहिबा और माननीय पार्षद गण सब मौन हैं।

न तो टैक्स बढ़ने का समर्थन कर रहे हैं और न बढ़े टैक्स से कोई राहत दिलाने का भरोसा दिला रहे हैं। न टैक्स जमा करने का निर्देश दे रहे हैं और न जमा न करने के लिए कह रहे हैं। ये इनका साहस है या कुछ और समझ पाना कठिन लग रहा है। मोदी जी और योगी जी की लोकप्रियता के कारण ये साहस है या अधिकारियों पर भरोसा है या गाजियाबाद की जनता की काहिली के कारण ये आत्म विश्वास जगा है। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा निष्क्रिय हो । भाजपा के रोज बड़े बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं । स्वयं योगी जी का एक बड़ा कार्यक्रम भी गाजियाबाद में हुआ है। क्या किसी ने इस अवसर का लाभ उठाकर बढ़े टैक्स के विषय हो योगी जी के संज्ञान में लाने का काम किया है ?? इतनी असहाय जनता शायद पहले कभी नहीं रही और न जनप्रतिनिधि कभी इतने मौन रहे।

25 नवंबर को अयोध्या में ध्वजारोहण करेंगे पीएम मोदी

पूरे विश्व को देंगे राम मंदिर पूरा होने का संदेश

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को अयोध्या में 21 फीट का ध्वजारोहण करेंगे। इसके साथ ही राम मंदिर निर्माण पूरा होने की घोषणा की जाएगी। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि राम मंदिर सिर्फ राष्ट्र मंदिर नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय राम मंदिर बने। यह बात सभी क्षेत्र, सभी वर्ग और सभी विचारधारा के लोग स्वीकार करें, ऐसा प्रधानमंत्री का सपना है और जब ये सपना साकार होता दिखाई पड़ता है तब मन को संतोष मिलता है। 25 नवंबर अयोध्या के लिए एक ऐतिहासिक दिन होगा। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर के शिखर पर 21 फीट का ध्वजारोहण करेंगे। यह दिन ऐतिहासिक इसलिए भी होगा कि इस दिन राम मंदिर निर्माण पूर्ण होने की घोषणा भी की जाएगी। राम मंदिर के

ध्वजारोहण के साथ प्रधानमंत्री पूरे विश्व को राम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने का संदेश देंगे।

ध्वज का स्वरूप, रंग और प्रतीक चिन्ह तय करने की जिम्मेदारी चंपत राय को सौंपी ध्वज का स्वरूप कैसा होगा, रंग कैसा और प्रतीक चिन्ह कौन सा होगा, इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया था। 22 जनवरी 2024 को रामलला भव्य महल में विराजमान हुए थे। प्रधानमंत्री मुख्य यजमान थे। प्रधानमंत्री के हाथों विराजमान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद 25 नवंबर को प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करेंगे।

राम विवाह पंचमी की शुभ तिथि पर किया जाएगा ध्वजारोहण

राम विवाह पंचमी की शुभ तिथि पर ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के साथ मंदिर निर्माण पूरा होने का विश्व को संदेश दिया जाएगा। 21 नवंबर से 25 नवंबर तक पांच दिवसीय अनुष्ठान चलेगा। वैदिक आचार्यों की मौजूदगी में अयोध्या और काशी के विद्वान अनुष्ठान कराएंगे।

मायावती का नौ साल बाद शक्ति प्रदर्शनः बोलीं- बसपा सरकार बनने पर सभी कानूनों को बदल देंगे, दिये 5 बड़े बयान

लखनऊ। लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने नौ साल बाद शक्ति प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों से संख्या में प्रदेश भर से कार्यकर्ता पहुंचे। उन्होंने मंच से कहा, प्रदेश में बसपा की सरकार बनने पर उन सभी कानूनों को बदल दिया जाएगा जो कि दलितों-पिछड़ों के खिलाफ हैं। राज्य में 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की सोच वाली सरकार बनेगी। लोगों को अपनी रोजी-रोटी के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। इस रैली में अन्य दलों की तरह पैसे देकर लोग नहीं बुलाए गए हैं। बल्कि अपनी खून-पसीने की कमाई खर्च कर आए हैं। इस दौरान पार्टी नेता आकाश आनंद की तारीफ करते हुए कहा कि आकाश बसपा का जनाधार बढ़ाने के लिए मेरे दिशा निर्देशन में लगातार प्रयास कर रहे हैं। ये अच्छी बात है। जिसके कारण बसपा के समर्थकों का भी उन्हें पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने समर्थकों से हर परिस्थिति में आकाश आनंद का समर्थन करने की अपील की।

1. वादा किया कि वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगी : मायावती ने कहा, इस रैली ने यहां पर हुई पहले सभी रैलियों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे लगता है कि 2027 में यूपी में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बसपा की सरकार बनेगी। उन्होंने वादा किया कि वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। जातिवादी दल संविधान को बदलने की कोशिश करते रहते हैं। लेकिन, हम ऐसा नहीं करने देंगे। भले ही इसके लिए कितना भी संघर्ष करना पड़े। बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो बाबा साहेब के संविधान को सुरक्षित रख सकती है। बसपा समर्थकों को बूथ स्तर पर छोटी-छोटी सभाएं कर बसपा के यूपी में चार बार रहे शासनकाल की उपलब्धियों को बताना है।

2 .बसपा अकेले ही मैदान में उतरेगी : मायावती ने कहा, यूपी में बसपा अकेले ही चुनावी मैदान में उतरेगी। क्योंकि, गठबंधन करने पर बसपा का वोट तो सहयोगी दलों को मिल जाता है। बसपा को उनका वोट नहीं मिलता है। बसपा ने यूपी में जब भी गठबंधन की सरकार बनाई तो सरकार कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। पहले ही गिर गई। इसलिए बसपा ने 2027 में भी अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

3.सपा-कांग्रेस और भाजपा ने पदोन्नति में आरक्षण का विरोध किया : मायावती ने कहा, इन दिनों कुछ लोग एक दूसरे के धर्म पर टिप्पणी कर बवाल कर रहे हैं। ऐसे मामलों में हमें बाबा साहेब के संविधान को मानते हुए सभी के धर्मों का सम्मान करना चाहिए। इसकी आड़ में राजनीति नहीं करनी चाहिए।

सपा-कांग्रेस और भाजपा ने पदोन्नति में आरक्षण का विरोध किया। दलितों व पिछड़ों को उनका हक नहीं दिया। सपा ने तो सदन में पदोन्नति में आरक्षण का बिल तक फाड़ दिया था। इन वर्गों के लोगों के साथ अन्याय हुआ। इन सभी दलों में आरक्षण का विरोध किया।

4. कांग्रेस ने देश में इमर्जेंसी लगाकर बाबासाहेब के संविधान का अपमान किया : मायावती ने कहा, कांग्रेस ने देश में इमर्जेंसी लगाकर बाबासाहेब के संविधान का अपमान किया था। कभी भी उनका सम्मान नहीं किया। अब कांग्रेस के लोग हाथ में संविधान की कापी लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। इसी तरह सपा की सरकार में दलितों-पिछड़ों का उत्पीड़न हुआ है। इससे प्रदेश की कानून व्यवस्था भी चरमरा गई थी। सपा सरकार में गुंडों और अराजकतत्वों को संरक्षण दिया है। अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही। लेकिन, जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है। जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे दोगले लोगों से सावधान रहना चाहिए। बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया।

5. योगी सरकार का भी आभार जताया : मायावती ने पार्टी संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने बड़ी संख्या में आए हुए कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। मायावती ने कहा, बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था।

उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया।

कानपुर धमाके में आया नया सीसीटीवी फुटेज, दुकान में पटाखों से हुआ धमाका

कानपुर। करंट क्राइम। कानपुर में हुए धमाके का नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में देखा जा सकता है कि बेल्ट बनाने वाली दुकान में धमाका होते ही वहां बैठे लोग तेजी से बाहर निकलते हैं। इस मामले में अब पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है।

एक इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले में एसीपी को भी हटा दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मूलगंज के मिश्री बाजार में हुए धमाके में आतंकवाद का कोई लिंक नहीं है। मूलगंज के बिसातखाना में धमाका हुआ। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आशुतोष कुमार ने कहा कि जहां धमाका हुआ, वहां कई दुकानों में तैयार पटाखे और पटाखे बनाने के लिए बारूद रखा गया था। एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है, जिसमें दुकान में रखे ढेर में विस्फोट होता दिख रहा है।

वहीं पुलिस कमिश्नर ने अवैध पटाखों के जखीरे को तलाश करने में नाकामयाब रहे एसएचओ, चौकी इंचार्ज समेत छह पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। एसीपी को भी हटा दिया गया है। जांच में दुकानों में भारी मात्रा में पटाखे और बारूद बरामद किया गया है। बुधवार शाम करीब 7.20 मिनट पर मूलगंज थाना क्षेत्र के बिसाती बाजाज में जोरदार धमाका हुआ। पहले सूचना फैली थी कि धमाका दो स्कूटी में हुआ लेकिन जांच में एक सीसीटीवी फुटेज सामने आने पर पता चला कि धमाका एक दुकान में हुआ था।

पति के दोस्तों के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार किया तो पति ने दे दिया तीन तलाक

मेरठ। करंट क्राइम। मेरठ में तीन तलाक का एक मामला सामने आया है। पति के दोस्त के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर पति ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। मामला लिसाडी गेट थाना क्षेत्र का है। महिला ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत पत्र के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, लिसाडी गेट निवासी पति अपनी पत्नी पर दोस्त के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। दोस्तों को घर पर बुलाकर शराब और मांस की पार्टी देता था। पत्नी ने इसका विरोध किया तो पति ने उसे खूब मारा। दोनों की 13 साल पहले निकाह हुआ था। दोनों के तीन बच्चे भी है।

दो दिन पहले पति ने पत्नी को तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। पत्नी का आरोप है कि पति उसके दोस्तों के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। उसने मना कर दिया तो पति ने तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। महिला का आरोप है कि ससुर की भी उस पर बुरी नजर है।

असम में भाजपा को लगा झटका, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता राजेन गोहेन समेत 18 नेताओं का इस्तीफा

असम। असम में भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन गोहेन समेत 18 नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को राज्य में बड़ा झटका लगा है। राजेन गोहेन ने अपना इस्तीफा राज्य प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया को सौंपा है। असम में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार के भाजपा सांसद राजेन गोहेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ कुल 17 अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजेन गोहेन ने यह फैसला राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया को लिखे पत्र में बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से तुरंत प्रभाव से हट रहे हैं।

इस वजह से भाजपा नेता ने दिया इस्तीफा सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा देने वाले अधिकांश सदस्य ऊपरी और मध्य असम से हैं। राजेन गोहेन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि पार्टी ने 'असम के लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया और स्थानीय समुदायों को धोखा दिया।

1999 से 2019 तक नागांव से सांसद रहे हैं गोहेन

बता दें कि, राजेन गोहेन ने 1999 से 2019 तक नागांव संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और 2016 से 2019 तक रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री भी रहे। भाजपा में रहते हुए वो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे पेशे से चाय बागान के मालिक भी है। इसके अलावा कई अन्य क्षेत्रों में उनका काफी प्रभाव है। उनके जाने से भाजपा को राज्य में नुकसान हो सकता है।

जीत का हैट्रिक लगाना चाहती है भाजपा

असम में फिलहाल मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा नीत सरकार सत्ता में काबिज है। जबकि पूर्वोत्तर राज्य असम में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाना चाहती है।

कफ सिरप से मासूमों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर जनहित याचिका पर आज होगी सुनवाई

भोपाल। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसे गंभीर मामला बताते हुए शुक्रवार को सुनवाई तय की। याचिकाकर्ता अधिवक्ता विशाल तिवारी ने अदालत से इन घटनाओं की निगरानी में राष्ट्रीय स्तर पर जांच और दवा सुरक्षा तंत्र में सुधार की मांग की है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया। अदालत ने दवा सुरक्षा तंत्र में जांच और व्यवस्थागत सुधार की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता और याचिकाकर्ता विशाल तिवारी की दलीलों पर विचार करते हुए कहा कि यह मामला गंभीर है और तत्काल सुनवाई योग्य है। राष्ट्रीय स्तर पर जांच और सुधार की मांग याचिका में इन घटनाओं की अदालत की निगरानी में जांच और एक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति के गठन का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा, याचिका में कहा गया है कि जहरीली कफ सिरप से बच्चों की मौत से जुड़े सभी ऋक्षफर और जांचों को उइकको ट्रांसफर किया जाए, ताकि पूरे देश में जांच एक समान और निष्पक्ष रूप से की जा सके।

बिक्री से पहले मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं हो परीक्षण याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह यह पता लगाए कि दवा सुरक्षा और गुणवत्ता जांच प्रणाली में कौन सी चूक हुई।

राज्यों में जांच बिखरी

याचिकाकर्ता ने कहा है कि अलग-अलग राज्यों में जांच होने से जवाबदेही बिखर जाती है, जिससे बार-बार ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और खतरनाक दवाएं बाजार में पहुंच जाती हैं। इसलिए एक केंद्रीकृत जांच की जरूरत है जो पूरे सिस्टम में सुधार सुनिश्चित करे।

गरबा में पत्थर बरसाने वालों के खिलाफ एक्शन 190 अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर

गुजरात। गुजरात के गांधीनगर में गरबा कार्यक्रम के दौरान पथराव की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। 190 अवैध दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है और 66 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गरबा कार्यक्रम में पथराव के कारण इलाके में तनाव फैल गया था, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कार्रवाई की।

गुजरात की राजधानी गांधी के बहियाल में गरबा के दौरान पथराव, पुलिस पर हमला और दुकानों में आगजनी की गंभीर घटनाओं के बाद प्रशासन ने कानून का सख्ती से पालन करने के लिए आज सुबह से ही गांव के मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से बनाए गए तटबंधों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से नोटिस प्रशासन ने पूरे इलाके के लगभग 190 अवैध कब्जेदारों को नोटिस जारी किए थे। उन्हें दो दिनों के भीतर निर्माण संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख दी गई थी। इसकी समय सीमा बुधवार शाम को समाप्त हो गई। इस अवधि के दौरान एक भी अवैध कब्जेदार ने सड़क एवं भवन विभाग, दहेगाम और न ही कैपिटल प्लानिंग सब-डिवीजन के उप-कार्यकारी अभियंता को निर्माण संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। इस वजह से आज सुबह से ही कड़ी पुलिस सुरक्षा के साथ अवैध कब्जेदारों को गिराने का काम शुरू कर दिया गया। बहियाल गांव में तोड़फोड़ अभियान चल रहा है। गांधीनगर के एसपी रवि तेजा वासमशेट्टी ने बताया, कुल 186 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। तोड़फोड़ अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम, पंचायत अधिकारी और 300 पुलिसकर्मी मौजूद हैं।

51 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए

रायपुर घामिज करोली रोड पर कुल 190 अतिक्रमणकारियों में से 135 और हाथीजन से बहियाल रोड पर 51 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारी बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटाने का काम कर रहे हैं। हिंसक घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 83 लोगों के खिलाफ नामजद और 200 लोगों के खिलाफ भीड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अब तक 66 से ज्यादा संदिग्धों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

गरबा में पत्थर फेंकने से पहले क्या हुआ था?

उत्तर प्रदेश के कानपुर में 'आई लव मुहम्मद' लिखे बैनर लगाए गए थे। इसी तरह के बैनर सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किए जा रहे थे। गांधीनगर के पास बहियाल गांव के एक हिंदू युवक ने इस सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी की।

120 मिनट की मुलाकात... रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली आजम खां बोले- गुफ्तगू के बारे में बताएंगे तो नुकसान होगा

रामपुर। सपा नेता आजम खां ने अखिलेश यादव से हुई मुलाकात का ब्योरा देने से मना कर दिया। कहा कि गुफ्तगू बताने से उनका ही नुकसान होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुलाकात में परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। बसपा में जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बुलाने वालों को बुलाने का हक है वह अपना काम कर रहे हैं।

सपा नेता आजम खां ने अखिलेश यादव से हुई मुलाकात के बारे में बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि हम गुफ्तगू के बारे में बताएंगे तो हमारा ही नुकसान हो जाएगा। गिले-शिकवे के सवाल पर उन्होंने कहा कि आज की मुलाकात में वह अकेले ही मिले। बसपा में जाने के सवाल पर कहा कि बुलाने वालों को पूरा हक है, वे अपना काम कर रहे हैं। कहा कि उनकी पसंद और नापसंद का कोई सवाल नहीं है। पार्टी के प्रत्याशी थे तो थे। उन्होंने 2027 के चुनाव में आगे की रणनीति को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि अभी समय है। उन्होंने बसपा में जाने के सवाल पर साफ कहा कि बुलाने वालों को बुलाने का हक है। वह अपना काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को रामपुर में पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां से मुलाकात के बाद कहा कि सपा की सरकार बनते ही आजम खां पर लगाए गए सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे। आजम की नाराजगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है और दोनों नेताओं के बीच लगातार संपर्क बना रहेगा। अखिलेश यादव ने कहा, आजम खां हमारे पुराने साथी और पार्टी की जड़ हैं। सरकार बनते ही उन पर लगे सभी झूठे मुकदमे वापस होंगे। जो लोग जौहर यूनिवर्सिटी को बर्बाद कर रहे हैं, वे समाज की हर चीज को नष्ट करते हैं। यूनिवर्सिटी से इस पीढ़ी और आने वाली पीढ़ियों का भाग्य सुधरना था।

2027 के चुनावों को लेकर सपा प्रमुख ने कहा, भाजपा को 2027 में जनता हटाने जा रही है। इस बार जनता आगे होगी और राजनीतिक पार्टियां पीछे दिखाई देंगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आजम खां की नाराजगी की खबरें गलत हैं और दोनों नेता मिलकर आगे की रणनीति बनाएंगे।

रिहाई के बाद पहली दफा हुई दोनों की मुलाकात

सपा के मुखिया अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां के बीच जमी रिश्तों की बर्फ आखिरकार डेढ़ साल बाद करीब दो घंटे की मुलाकात के बाद पिघल ही गई। डेढ़ घंटे की मुलाकात के बाद दोनों ही नेताओं ने किसी भी तरह के गिले शिकवे होने की बात से साफ इन्कार किया। अखिलेश ने जहां आजम खां को पार्टी की नींव बताया तो वहीं आजम ने भी कहा कि पहले हम 11 थे और अब 111 हो गए हैं।।

टेक ऑफ करते अनियंत्रित हुआ विमान

रनवे से उतरकर रुका...हादसा टला, उद्योगपति और उनका परिवार बचा

कानपुर। फरुर्खाबाद जिले के खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा हवाई हादसा टल गया। रनवे पर उड़ान भरते समय एक मिनी जेट प्लेन फिसल गया और हवाई पट्टी की झाड़ियों में जाकर रुक गया। यह मिनी जेट प्लेन एक उद्योगपति के परिवार को लेकर खिमसेपुर आया था। रनवे पर गति पकड़ते समय प्लेन अनियंत्रित होकर फिसल गया और बाउंड्री से पहले झाड़ियों में रुक गया। हादसे में विमान में सवार उद्योगपति और उनका परिवार बाल-बाल बच गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सुबह साढ़े दस भोपाल जाने के लिए रवाना हुए थे

मिली जानकारी के अनुसार, कस्बा मोहम्मदाबाद में स्थित राजकीय हवाई पट्टी पर खिमसेपुर औद्योगिक कार्य क्षेत्र में बन रही बीयर फैक्टरी के डीएमडी अजय अरोड़ा, एसबीआई हेड सुमित शर्मा, बीपीओ राकेश टीकू फैक्टरी का निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के लिए भोपाल से कल तीन बजे आए थे, जोकि जेट सर्विस एवियशन प्राइवेट लिमिटेड के प्राइवेट जेट वी टी डेज से आज सुबह साढ़े दस भोपाल जाने के लिए रवाना हुए थे।

रनवे पर लगभग 400 मीटर तक जेट ने रन किया था जैट को टेक ऑफ करते समय अनियंत्रित होकर पास बनी झाड़ियों में जा घुसा। जेट में सवार वुडपैकर ग्रीन एंग्री न्यूट्री पद प्राइवेट लिमिटेड डीएमडी अजय अरोड़ा, एसबीआई हेड सुमित शर्मा, बीपीओ राकेश टीकू के साथ कैप्टन नसीब बामल, कैप्टन प्रतीक फर्नांडीज साथ में थे। रनवे पर लगभग 400 मीटर तक जेट ने रन किया था, उसके बाद यह हादसा हुआ। कंपनी के उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट हेड मनीष कुमार पांडे ने बताया की सुबह 10:30 बजे उन्हें फ्लाइट भोपाल लेकर जानी थी।

लैंडिंग की सूचना आधे घंटे पहले ही बताई

फ्लाइट के पहिए में हवा कम होने की वजह से यह हादसा हुआ। आरोप लगाया है कि पायलट की लापरवाही की वजह से बड़ी घटना घट सकती थी।

पायलट को पहले ही जानकारी थी की पहिए में हवा कम थी। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट हेड मैनेजर मनीष कुमार पांडे ने बताया कि फ्लाइट यहां से भोपाल जा रही थी। कंपनी के डीएमडी अजय अरोड़ा ने बताया कि अब वह है आगरा से फ्लाइट लेकर भोपाल जाएंगे। फायर ब्रिगेड ने बताया उन्हें 12 घंटे पहले जानकारी नहीं दी गई थी। न ही ट्रेजरी फीस जमा की गई थी और लैंडिंग की सूचना आधे घंटे पहले ही बताई गई है।

सीट बंटवारे पर भाजपा की 'पंचायत' में 2020 वाला रास्ता

बिहार चुनाव में एनडीए की तैयारी कुछ ऐसी

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीट बंटवारा अब अंतिम दौर में है। सीटों का गणित भाजपा को ही फाइनल करना है। सभी उसी के भरोसे हैं। इसलिए, भाजपा की 'पंचायत' में 2020 वाला रास्ता भी पक्का है। 6 और 11 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान का परिणाम 14 नवंबर को सामने आ जाएगा। मतलब, अब चुनाव परिणाम आने में भी 36 दिन शेष ही हैं। आमने-सामने की लड़ाई लड़ रहे दोनों गठबंधनों में सीटों पर ही बात बनती नहीं दिख रही है, प्रत्याशियों का नाम तो उसके बाद घोषित होगा।

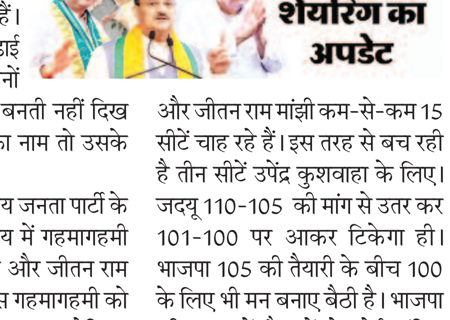

गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश कार्यालय में गहमागहमी रही। चिराग पासवान और जीतन राम मांझी के बयानों ने उस गहमागहमी को गरमागरमी जैसा बनाए रखा। लेकिन, अंदर की बात यह है कि एनडीए की सीट शेयरिंग योजना ट्रैक से उतरी नहीं है। बिहार में हुई बात, लेकिन रास्ता तो दिल्ली में निकलेगा बिहार विधानसभा में 243 सीटें हैं। भाजपा-जदयू अब तक लगभग बराबर 100-100 के गणित पर है। चिराग पावान न्यूनतम 35 और जीतन राम मांझी कम-से-कम 15 सीटें चाह रहे हैं। इस तरह से बच रही है तीन सीटें उपेंद्र कुशवाहा के लिए। जदयू 110-105 की मांग से उतर कर 101-100 पर आकर टिकेगा ही। भाजपा 105 की तैयारी के बीच 100 के लिए भी मन बनाए बैठी है। भाजपा की पटना में बैठकों से कोई अंतिम नतीजा निकलना भी नहीं था। अब फैसला दिल्ली में होना है। ऐसे में भाजपा के रणनीतिकारों ने 2020 मॉडल को ही अंतिम उपाय माना है।

क्या है भाजपा का अंतिम रास्ता, जो 2020 में अपनाया था 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग की पार्टी से भाजपा के कई कद्दावर नेता उतरे थे, लेकिन उस समय निशाना जदयू था। इस बार वैसी परिस्थिति नहीं है। सीएम नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बीच उस समय वाली दूरी अभी नहीं है। भाजपा ने उस समय एनडीए में रही मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी में अपने प्रत्याशी दिए थे। मुकेश सहनी खुद चुनाव नहीं जीत सके थे, इसलिए उनके चार में से तीन विधायक अपनी मूल पार्टी भाजपा में चले गए। एक का निधन हो गया था। मौजूदा परिस्थिति में जदयू-भाजपा अपने खाते में 100-100 सीटों को रखती है तो जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा-सेक्युलर को जीतने वाली 8 सीटों के साथ मजबूत स्थिति वाली दो-तीन सीटें देगी।

लोकसभा चुनाव में ही भाजपा ने कर ली थी तैयारी

बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान पटना में हैं। वह घटक दलों के मन की बातें उनके मन से निकालने में कामयाब रहे हैं। मांझी-चिराग के मन की बात भले सामने आई, लेकिन भाजपा को भी पता है कि केंद्रीय मंत्री की कद्दावर कुर्सी छोड़ चिराग पासवान और जीतन राम मांझी बाहर जाने वाले नहीं हैं। उपेंद्र कुशवाहा तो किनारे होकर तमाशा देख रहे हैं। चिराग पासवान की पार्टी के पास मौजूदा विधानसभा में कोई विधायक नहीं। जीतन राम मांझी के पास चार विधायक हैं। उपेंद्र कुशवाहा के पास भी कोई विधायक नहीं। मांझी-चिराग या कुशवाहा को लोकसभा चुनाव के समय भी अंदाजा बता दिया गया था कि बिहार विधानसभा चुनाव के समय सीटों पर कैसे बात होगी। चिराग और मांझी को इसी कारण पसंदीदा, मजबूत और काम लायक मंत्रालय दिए गए थे। रही बात उपेंद्र कुशवाहा की तो, उनके लिए एनडीए के पास कई ऑफर हैं।

दैनिक करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। शुक्रवार 10 अक्टूबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

साइकिल वाले हाईकमान ने रोकने के लिए दल वाली रार

कर दिया अनुशासनहीनता के आरोप में जीतू शर्मा और दिनेश गुर्जर को पार्टी से बाहर

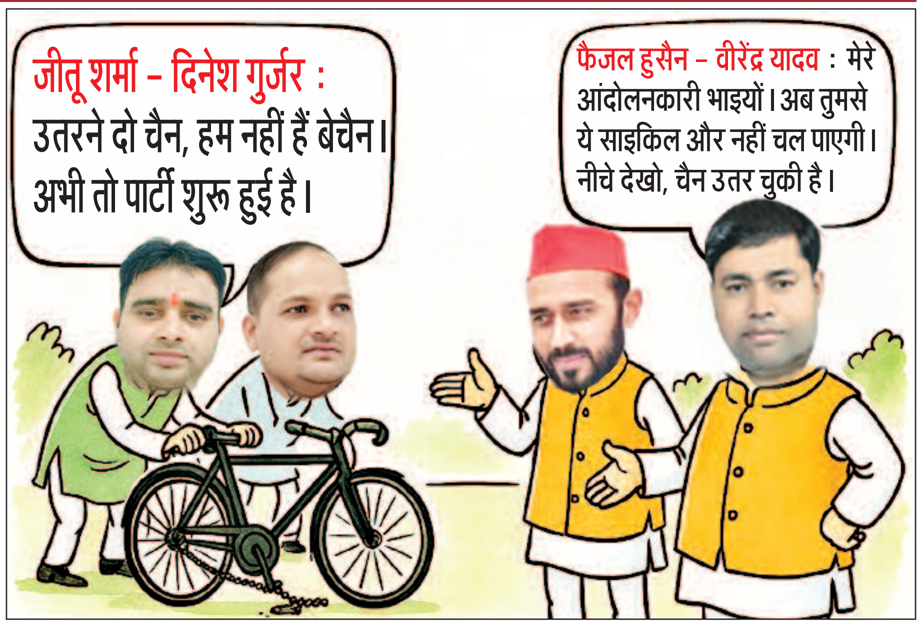

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में मतभेद होना एक सामान्य बात है। वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, सैद्धांतिक मतभेद हो सकते हैं और कई बार व्यक्तिगत मतभेद भी होते हैं, लेकिन दल की एक मर्यादा ये होती है कि विरोध जुबान से हो, काम से हो, लेकिन कभी वो सामाजिक रूप से बाहर नहीं आता है। उचित प्लेटफार्म पर विरोध होता है। वहीं पार्टी हाईकमान की दृष्टि से देखें तो कोई भी व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं होता है। समाजवादी पार्टी में दो नेताओं का निष्कासन हुआ। इनमें समाजवादी पार्टी युवजनसभा के जिलाध्यक्ष जीतू शर्मा को पहले पदमुक्त किया गया और फिर उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ सपा के ही पुराने कार्यकर्ता और पद पर रह चुके दिनेश गुर्जर को भी पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में निष्कासित किया।

पार्टी सूत्रों की मानें तो जीतू शर्मा और दिनेश गुर्जर को संगठन ने अनुशासन और मयार्दा बनाए रखने की दृष्टि का संदेश देने के लिये निष्कासित किया गया है। बताया जाता है कि ये पूरा मामला सपा के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन के विरोध से जुड़ा है। पहले जीतू शर्मा ने आरोप लगाए और फिर दिनेश गुर्जर ने इसका समर्थन किया।

ये आरोप किसी पार्टी की बैठक में लगते, संगठन के बड़े नेताओं के सामने लगते तो ये पार्टी का इंटरनल मामला होता। मगर, यहां फाउल ये हो गया कि जीतू शर्मा ने सोशल मीडिया पर मोर्चा खोला और संगठन के जिलाध्यक्ष का सार्वजनिक रूप से विरोध करते हुए कई ऑडियो और वीडियो जारी किये। पार्टी हाईकमान का ये मानना रहा कि कोई शिकायत थी तो हाईकमान को बताते, लेकिन इस तरह से यूं खुलकर नहीं आते। कोई भी शिकायत, कोई भी विरोध संगठन के दायरे में रहकर प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष रखा जा सकता था। अगर ऐसा होता तो ये स्थिति उत्पन्न नहीं होती। बहरहाल अब दोनों ही नेता सपा से बाहर किये गये हैं।

क्रांतिकारी तेवरों के साथ राजनीति करते हैं जीतू शर्मा और दिनेश गुर्जर

(करंट क्राइम)। जीतू शर्मा समाजवादी पार्टी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष बनाए गए थे। बड़ी बात ये है कि वो क्रांतिकारी तेवरों के साथ राजनीति करते हैं। तत्कालीन सांसद जनरल वीके सिंह के घर के बाहर पोस्टर लगाने से लेकर पकौड़े तलने तक उन पर मुकदमा दर्ज हुआ। सीएम का पोस्टर जलाने पर भी वो जेल भेजे गए और लगातार कई मामलों में उन्होंने मुखर होकर विरोध किया। ये जीतू शर्मा का अंदाज है और वो राजनीति में कर्मठ हैं, लेकिन यहां वो अनुशासन वाले दायरे से कई बार बाहर निकल जाते हैं और इसी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। कर्मठता पर अनुशासनहीनता भारी पड़ गई। वहीं दिनेश गुर्जर भी समाजवादी पार्टी के पुराने और निष्ठावान और सक्रिय कार्यकता रहे। कई आंदोलनों में भाग लिया है, लेकिन वो भी एक वीडियो में सामने आए और उन्होंने भी मोर्चा खोला और यही मोचेर्बंदी उनके लिये निष्कासित होने का पैगाम लेकर आई।

गाजियाबाद के समाजवादी आज देंगे मुलायम सिंह यादव को पुण्यतिथि पर श्रृद्धांजलि, विधानसभा वार होंगे कार्यक्रम

हवन, संगोष्ठी और अनाथ आश्रम में होगा कार्यक्रम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के संरक्षक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर गाजियाबाद में आज कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी की ओर से राजनगर स्थित कार्यालय में हवन और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा।

इसके बाद विचार गोष्ठी में वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मुलायम सिंह यादव के जीवन और उनके योगदान पर अपने विचार साझा करेंगे। सपा पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने बताया कि इस अवसर पर अनाथ आश्रम में जाकर बच्चों और बुजुर्गों को फल और आवश्यक सामग्री वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कदम समाजवादी पार्टी के सच्चे सेवक के रूप में मुलायम सिंह यादव की जनता सेवा की भावना को याद करने और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

पांचों विधानसभा क्षेत्रों में होंगे अलग-अलग कार्यक्रम

करंट क्राइम : इसके साथ ही गाजियाबाद की सभी पांचों विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रमुख और वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। पार्टी की जिला और महानगर इकाई ने इस पुण्यतिथि के माध्यम से जनता और कार्यकर्ताओं को मुलायम सिंह यादव के संदेश और आदर्शों से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। समाजवादी पार्टी यह दिन श्रद्धांजलि और सेवा के रूप में मनाने की तैयारियों का प्रतीक माना जा रहा है।

अयोध्या में विस्फोट से गिरा मकान 5 लोगों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

अयोध्या: कानपुर के बाद अब रामनगरी में जोरदार विस्फोट हो गया। पूराकलंदर थाने के कुछ ही दूरी पर पगला भारी गांव में धमाके के साथ मकान गिर गया। अभी तक जानकारी मिली है कि इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोगों के दबे होने की आशंका है। सूचना पर पुलिस फोर्स और उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। बुलडोजर के माध्यम से मलबे को हटाए जाने का कार्य किया जा रहा है। गांव में हुए अचानक धमाका का कारण घर में एलपीजी गैस सिलेंडर लीकेज होना बताया जा रहा है। हालांकि अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। इसके साथ ही पुलिस के द्वारा आस-पास के घरों को भी खाली करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, आईजी प्रवीण कुमार, एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर सहित अन्य सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पूराकलंदर थाना प्रभारी संजीव सिंह ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि मौके पर अधिकारी पहुंचे हुए हैं अभी जांच की जा रही है। रेस्क्यू टीम घटना स्थल पर पहुंच गई है। आसपास के घर में रहने वाले लोगों को भी खाली करने का निर्देश दिया गया है। अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि पांच लोगों को जिला अस्पताल लाया गया था। सभी मृत अवस्था में थे, जिसमें तीन बच्चे और दो अधेड़ उम्र के लोग शामिल हैं।

शिकायत 311 के बोर से भाजपा पार्षद साध रहे हैं अधिकारियों पर निशाना

रुके हुए कामों को कराने का ये है गजब का तराना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरकार अपनी होती है तो जन समस्याओं को लेकर सरकार के जनप्रतिनिधि की एप्लिकेशन का करंट अलग होता है। वो अधिकारी के सामने ज्यादा प्रभावशाली तरीके से बात रखते हैं।

ये एक जनधारणा भी है कि विपक्ष के मुकाबले सरकार के जनप्रतिनिधियों की बात अधिकारी ध्यान से सुनते हैं, लेकिन नदिया पार के एक पार्षद को अपने अनुभव से ये ज्ञान प्राप्त हुआ कि शिकायत का समाधान तो शिकायत में छिपा है। वो शिकायत करते हैं और उनका मानना है कि इसी से समस्या का समाधान होता है। भाजपा के ये पार्षद शशि खेमका हैं। शशि खेमका नदिया पार के वार्ड से पार्षद है और उनकी शिकायत ये है कि उन्होंने अपने वार्ड की कई समस्याओं को लेकर जोनल अधिकारी से कहा, लेकिन उनकी बात ही नहीं सुनी गई। इसके बाद उन्होंने शिकायत की और अब उनका प्रबल विश्वास इस बात पर है कि निगम अधिकारियों से बात ही मत करो और सीधे शिकायत करो।

शशि खेमका की कौन सी ऐसी शिकायत थी जिस पर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे थे तो पता चला कि उनमें अतिक्रमण की शिकायत थी, सफाई व्यवस्था की शिकायत थी। उनका कहना है कि क्षेत्र के लोग उनसे अतिक्रमण हटाने के लिये कहते हैं। वो जोनल के अधिकारियों से कहते हैं और सरकार वाले दल के पार्षद की शिकायत पर अधिकारी ध्यान ही नहीं देते हैं। उनका कहना है कि आरडब्ल्यूए को वो क्या बताएं कि सफाई व्यवस्था को लेकर उनकी कोई सुन नहीं रहा। बहरहाल अब भाजपा के पार्षद शशि खेमका ने सबसे आसान रास्ता शिकायत का चुना है। उनका मानना है कि समस्या का समाधान इसी रास्ते से हो रहा है।

311 के बोर से साधते हैं पार्षद निशाना

(करंट क्राइम)। रोज जोनल कार्यालय जाना और रोज का वही शिकायत और वही फसाना। पार्षद ने अब नया तरीका ढूंढा और ये तरीका कारगर साबित हुआ। उन्होंने कई शिकायतों के लिये नगर निगम के एप 311 को इस्तेमाल किया है। नगर निगम के एप 311 के बोर से वो निशाना साधते हैं। इस एप पर शिकायत करते हैं। 311 कारगर साबित हुआ है और इसके अलावा सरकार के पार्षद जनसुनवाई का भी सहारा लेते हैं। ये एक विडंबना है कि सरकार वाले दल के पार्षद हैं और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिये उन्हें शिकायत एप और जन सुनवाई का सहारा लेना पड़ रहा है।

भाजपा को हराकर जीता चुनाव और फिर हो गये भाजपाई

(करंट क्राइम)। शशि खेमका जनाधार वाले नेता हैं और वो निगम चुनाव में टिकट ना मिलने पर भाजपा से बगावत कर बागी होकर चुनाव लड़े थे। ये उनका अपना जनाधार है कि उन्होंने वार्ड के चुनाव में बिना किसी दल के चुनाव लड़कर अपना बल दिखाते हुए यहां भाजपा को हराया। ये उनकी भाजपा के प्रति निष्ठा है कि वो भले ही बागी होकर चुनाव जीते, लेकिन वो किसी और दल में नहीं गये। जैसे ही भाजपा में बागी रिटर्न अभियान चला तो शशि खेमका तुरंत ही भाजपा में जाने के लिये राजी हो गये। ये भाजपा के प्रति इनकी निष्ठा है मगर, जनप्रतिनिधि होने के बाद भी उन्हें जन समस्याओं के समाधान के लिये जन सुनवाई का सहारा लेना पड़ रहा है।

अब पुलिस वालों का स्वादिष्ट खाने से दूर होगा स्ट्रेस

- पुलिस कमिश्नर जे रंविदर गौड सहित सभी अधिकारियों ने चखा मैच का खाना।
- इंस्पेक्टर मसूरी अजय चौधरी के प्रयासों की हुई सराहना।

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जहां थानों का आधुनीकरण हो रहा है। तो वहीं पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर माहौल और सुविधाएं प्रदान की जा जा रही हैं। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने बुधवार की रात ग्रामीण जोन के अंतर्गत आने वाले मसूरी थाने के नवनिर्मित भोजनालय, मुख्य द्वार व थाना परिसर के नवीनीकरण होने पर इसका शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने इस कार्यक्रम के जरिए पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बड़ा खाने वाला संदेश दिया। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट और पहुंचे अन्य अधिकारियों ने मसूरी थाने में बनाई गई हाईटेक, साफ-सुथरी और हाइजीन से युक्त मैस निर्माण की तारीफ की है। तो वही थाने के मुख्य द्वार और रिनोवेशन के कार्य को लेकर भी प्रशंसा हो रही है। थाने में इन दिनों प्रभारी निरीक्षक की भूमिका अजय कुमार निभा रहे हैं।

मसूरी थाने में खुल गई है पुलिसकर्मियों की मैस

पुलिस कमिश्नर ने कहा अन्य थानों में भी शुरू होनी चाहिए यह व्यवस्था

करंट क्राइम : मसूरी थाने में नवनिर्मित भोजनालय भवन के निर्माण से पुलिस कमिश्नर ने पुलिसकर्मियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं भोजनालय की व्यवस्था होने पर इसे बेहतर प्रयास बताया है। साथ ही कहा है कि इस तरीके के प्रयास अन्य थानों और पुलिस ऑफिस में भी होने चाहिए। इससे पुलिसकर्मियों और अधिकारियों में अनुशासन के साथ समय पर भोजन करने और साफ-स्वच्छ और सेहतमंद पौष्टिक भोजन उपलब्ध होगा। इस कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के कमिश्नर, एडिशनल सीपी स्तर के दोनों अधिकारी, कमिश्नरेट के सभी आईपीएस अधिकारी तो प्रमुख एसीपी और थाना प्रभारी भी नजर आए। सभी ने एक साथ स्वादिष्ट पकवान का मजा भी लिया।

तस्वीरों ने बताया आयोजन है खास, हर चेहरे पर दिख रहा था एहसास

करंट क्राइम : पुलिस के अधिकारी एक साथ बैठते हैं। तो बातचीत होती हैं, क्राइम कंट्रोल से लेकर अन्य विषयों पर चर्चा होती है और ऐसा ही सीन मसूरी थाने में बड़े खाने और नवनिर्मित मैस के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान भी देखने को मिला है। इस कार्यक्रम में एसीपी स्तर के प्रमुख अधिकारी और आईपीएस अधिकारी साथ बैठे तो कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा भी हुई है।

25 पुलिसकर्मी एक साथ बैठ सकते हैं मैस के अंदर, रहेगा स्वच्छ और शांत माहौल

करंट क्राइम : थाना प्रभारी मसूरी अजय कुमार ने जानकारी दी है कि इसे आधुनिक ढंग से बनाया गया है। इसमें एलईडी लाइटों के साथ ही वुडनवॉल और फर्नीचर का इस्तेमाल किया गया है। लाइटिंग से लेकर इंटीरियर का ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया है कि वर्तमान में मसूरी थाने की मैस में 50 से अधिक पुलिसकर्मियों का खाना बन रहा है। जो अलौट बजट और सहयोग सिस्टम पर संचालित किया जा रहा है। एक समय में इस मैस के अंदर 25 पुलिसकर्मी एक साथ टेबल और कुर्सियों पर बैठकर भोजन कर सकते हैं। एसएचओ ने इसके साथ ही थाने के मुख्य द्वार को लाइटिंग से युक्त करने के साथ ही थाने का अन्य निर्माण कार्य भी करवाया है। अब मसूरी थाना पहले से ज्यादा आधुनिक और स्वच्छ नजर आ रहा है।

जिला पंचायत गेम में हो गई एक और खिलाड़ी की एंट्री

नितिन मावी ने ठोंक दी वार्ड-10 से जोरदार दावेदारी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिला पंचायत गेम शुरू हो चुका है। खिलाड़ियों की घोषणा होनी है, लेकिन इलेक्शन में अपने सिलेक्शन के लिये खिलाड़ी पूरी ताकत लगा रहे हैं। दैनिक करंट क्राइम ने पूर्व में प्रकाशित किया था कि जिला पंचायत चुनाव में वार्ड-10 से पवन मावी ने दावेदारी की थी। पवन मावी जिला पंचायत गेम के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। उनकी पत्नी लक्ष्मी मावी जिला पंचायत अध्यक्ष रही हैं। हालांकि पवन मावी का गेम पिछले चुनाव में उतना असरदार नहीं रहा, लेकिन वार्ड-10 से उन्होंने दावेदारी की और पवन मावी की दावेदारी वाली एंट्री के बाद यहां इस वार्ड का चुनाव रोचक हो गया। मगर, बताते हैं कि कहानी में अब नया मोड़ आ गया है।

वार्ड-10 के जिला पंचायत चुनाव वाले गेम में युवा भाजपा नेता नितिन मावी की एंट्री हो गई है। इस चेहरे के मैदान में आने के बाद दावेदारी का मुकाबला रोचक हो गया है। यहां बिरादरी से लेकर सियासत के तार तक सब कुछ असरदार है, दावेदारी में करंट है और इस चुनाव से जुड़े सूत्र बताते हैं कि जिला पंचायत के वार्ड-10 की कैमिस्ट्री भी कुछ इसी तरह की है। नितिन मावी भाजपा के युवा नेता हैं, शालीन और सौम्य चेहरा हैं। लोनी की राजनीति में खुद को तेजी से स्थापित किया है। बताया जाता है कि वो संगठन वाले प्रोटोकॉल में भी पूरी तरह से फिट बैठते हैं।

सदस्यता अभियान से लेकर पार्टी के दिये हर आयाम में नितिन मावी का काम दिखाई देता है। संगठन के रिपोर्ट कार्ड में वो आज्ञाकारी समर्पित कार्यकर्ता हैं। पार्टी के प्रति निष्ठावान हैं और राजनीति के मैदान में ऊजार्वान हैं। यहां पर बिरादरी की बात करें तो दोनों ही चेहरे गुर्जर हैं।

दोनों ही मावी हैं। आने वाला समय बताएगा कि दावेदारी में कौन सा मावी किस पर हावी है। मगर, इतना तय है कि नितिन मावी की एंट्री के बाद यहां दावेदारी का मुकाबला बेहद रोचक हो गया है। यहां पर कहानी में एक रोचक पहलू ये भी है कि लोनी के क्रांतिकारी विधायक नंदकिशोर गुर्जर का नितिन मावी पर पूरा आशीर्वाद है। हालांकि पवन मावी को भी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के करीबी चेहरों में गिना जाता है, लेकिन सूत्र बताते है कि इन दिनों सीन ये चल रहा है कि पवन मावी की लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर से निकटता है, लेकिन नितिन मावी विधायक जी के बहुत ज्यादा निकट हैं। ऐसे में पंचायत चुनाव की दावेदारी का गणित अब रोचक होने जा रहा है।

स्वस्थ नारी, सशक्त समाज – यशोदा हॉस्पिटल नेहरू नगर ने महिला पुलिसकर्मियों संग कैंसर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाज तभी सुरक्षित रह सकता है जब उसकी रक्षक महिलाएं स्वयं स्वस्थ हों – इसी संदेश के साथ यशोदा हॉस्पिटल नेहरू नगर ने 9 अक्टूबर को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में महिला पुलिसकर्मियों के लिए एक विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था – ब्रेस्ट कैंसर और महिलाओं में तेजी से बढ़ता सर्वाइकल कैंसर, जिसे लेकर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने विस्तृत जानकारी साझा की। गोष्ठी में यशोदा हॉस्पिटल नेहरू नगर की वाइस चेयरपर्सन डॉ. शशि अरोड़ा और डॉ. अनुश्री वर्तक ने महिला

शेष, पृष्ठ 8

दैनिक करंट क्राइम सिर्फ सच...

सम्पादकीय

नई दिल्ली, शुक्रवार
10 अक्टूबर -2025

संपादकीय

माटी का सपूत, राजनीति का धरतीपुत्र

भारतीय राजनीति के इतिहास में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल व्यक्तित्व नहीं, एक युग की पहचान बन जाते हैं। मुलायम सिंह यादव उन्हीं में से एक थे — वह नेता, जो नारे से नहीं, जमीन की धूल से उठकर सत्ता के शिखर तक पहुँचे, जो अपने दौर में धरतीपुत्र कहे गए, और जिनकी राजनीति में ग्रामीण भारत की सोंधी गंध, किसान की चिंता और आम आदमी की आकांक्षा गहराई से बसती थी। किसान का बेटा, जनता का नेता मुलायम सिंह यादव का जन्म 22 नवंबर 1939 को उत्तर प्रदेश के इटावा ज़िले के सैफई गाँव में हुआ। एक साधारण किसान परिवार में जन्मे मुलायम ने जीवन की शुरुआत संघर्षों से की। शिक्षक से लेकर अखाड़े तक और वहाँ से विधानसभा तक की उनकी यात्रा किसी प्रेरणादायक कथा से कम नहीं थी। उनकी राजनीति का केंद्र हमेशा किसान, मजदूर और पिछड़ा वर्ग रहा। उन्होंने सत्ता को साधन माना — साध्य नहीं। राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों को अपने राजनीतिक संस्कारों में आत्मसात कर उन्होंने समाजवाद को केवल विचार नहीं, जनांदोलन बना दिया। उनकी भाषा सरल थी, पर प्रभाव गहरा। उनकी राजनीति में नारेबाजी से अधिक व्यवहारिकता और धरातल की समझ थी। तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने मुलायम सिंह ने शिक्षा, रोजगार और ग्रामीण विकास को अपने शासन का आधार बनाया। उनका मुलायम व्यवहार उन्हें विरोधियों के बीच भी सम्मान दिलाता था। राजनीति में व्यावहारिकता और संघर्ष का संतुलन मुलायम सिंह की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे राजनीति में संघर्ष और व्यावहारिकता — दोनों का संतुलन साधना जानते थे। जब देश की राजनीति मंडल और कमंडल के दो ध्रुवों में बँट रही थी, तब उन्होंने सामाजिक न्याय की आवाज को नई दिशा दी। उनके लिए राजनीति सत्ता की दौड़ नहीं, समाज के वंचित तबकों के उत्थान का माध्यम थी। पिता, मित्र और मार्गदर्शक अपने अनुयायियों के लिए वे नेताजी थे — एक ऐसा संबोधन जो आदर और आत्मीयता दोनों से भरा हुआ था। वह विरोधियों से भी संवाद की परंपरा निभाने वाले नेता थे। अखिलेश यादव के रूप में उन्होंने अपने राजनीतिक संस्कारों की विरासत आगे सौंपी, हालांकि राजनीतिक मतभेद भी समय-समय पर उभरे। परंतु मुलायम सिंह की दृष्टि हमेशा व्यापक थी — व्यक्ति नहीं, विचार उनके लिए बड़ा था। विरासत जो अमर रहेगी आज मुलायम सिंह यादव अब हमारे बीच नहीं हैं, पर उनकी विरासत उत्तर प्रदेश की गलियों, खेतों और समाज की चेतना में जीवित है। मुलायम सिंह यादव का नाम भारतीय राजनीति के इतिहास में एक ऐसी मिसाल रहेगा, जिसने दिखाया कि नेता वह नहीं जो मंच से बोले, बल्कि वह है जो जनता के बीच खड़ा रहे। उनका जीवन बताता है कि सादगी में भी शक्ति होती है, और संघर्ष में ही सफलता की राह बनती है।
धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव — आपने राजनीति को जनसेवा की परिभाषा दी, आपकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को दिशा देती रहेगी।

शतायु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वयं ज्योति रक्षा !

हनुमान चालीसा का पाठ करते समय, एक पंक्ति विशेष रूप से उभरकर आई, आपन तेज सम्हारो आपै। इसका अर्थ है, 'स्वयं आप ही अपनी ज्योति का प्रबंधन कर सकते हैं।'

जब गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में यह पंक्ति लिखी थी , तब वे हनुमान जी की आत्मशक्ति और तेजस की रक्षा और प्रबंधन करने की क्षमता का वर्णन कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऱसंघऱ) की शताब्दी के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक मुद्रा (सिक्का) और डाक टिकट का प्रवर्तन करते देखा, तो लगा कि बाबा तुलसीदास के ये अमर शब्द राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की कहानी को भी प्रतिध्वनित करते हैं।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा १९२५ में स्थापित, संघ कभी भी राजनैतिक संगठन नहीं था। इसका जन्म गहन अपरिहार्यता के कारण हुआ था; एक खंडित हिंदू समाज को संगठित करने और उपनिवेशित भूमि में आत्मसम्मान का पुनर्निर्माण करने के लिए। डॉ. हेडगेवार समझते थे कि स्वाधीनता भले ही राजनैतिक संघर्ष से प्राप्त की जा सकती हो, परन्तु स्वतंत्र भारत को केवल राजनीति से ही संधारणीय नहीं बनाए रखा जा सकता। भारत को सांस्कृतिक पुनरुत्थान, अनुशासित समाज और दृढ़ आत्मविश्वास की आवश्यकता थी, और हिंदुओं को एक ऐसे संगठन की जो उन्हें एक सूत्र में पिरोए।

*डॉ. हेडगेवार का समाधान अत्यधिक सरल था, और इसलिए सबसे प्रभावी भी। शाखा। एक शाखा के लिए बस कुछ लोगों, एक काष्ठ दंड, भगवा ध्वज और प्रार्थना की आवश्यकता होती है। कोई वितंडा नहीं, कोई घोषणापत्र नहीं, कोई धूमधाम नहीं – बस लय, अनुशासन और सौहार्द। इसी साधारण चरित्र ने इसे असाधारण बनाया– विशाल सौ वर्ष पुराना संगठन जो चरित्र निर्माण, व्यक्तिगत अहंकार को द्रवीभूत करने और नेताओं को चुपचाप प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। सौ वर्ष से, वह विनम्र सूत्र अविचल है। सरकारें बनीं हैं और गिरी हैं, विचारधाराएं उभरी और पिटी हैं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वही रहा है – **स्थिर, मौन, भगवा रंग।***

–अखिलेश कुमार बाजपेयी
पूर्व जिला प्रचारक रा.स्व.संघ
पूर्व विभाग संगठन मंत्री भाजपा

संघ का दर्शन घोषित या प्रकाशित नहीं होता, अपितु उसका पालन किया जाता है। इस दर्शन का पहला आधार है सेवा। देश में कहीं भी, किसी भी आपदा में, चाहे वह मानव निर्मित हो या प्राकृतिक, बाढ़, महामारी, भूकंप, विभाजन या सांप्रदायिक दंगे, प्राय: संघ के स्वयंसेवक ही सबसे पहले पहुंचते हैं और सबसे अंत में जाते हैं। वे प्रशंसा या पुरस्कार की प्रतीक्षा नहीं करते। वे इस विश्वास से प्रेरित होते हैं कि सेवा ही पुरस्कार है। जैसा हनुमान चालीसा की पंक्ति स्मरण कराती है, 'अपन तेज संवारो अपै', ज्योति अपने ईंधन से स्वयं को पोषित करती है।

नागपुर में कुछ युवाओं के साथ श्रीगणेश हुई उन प्रारंभिक शाखाओं ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आज ऐसा बनाया है जो वह है, विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन। संघ परिवार, जैसा कि संघी लोग इसी विचारधारा के तहत काम करने वाली संस्थाओं को कहते हैं, आज हजारों संस्थाओं, भारत भर के दूरस्थ गांवों में स्कूल, चिकित्सालय, आदिवासी कल्याण परियोजनाएं, महिला सशक्तिकरण समूह और भारत की संस्कृति और थाती को संरक्षित करने वाले आंदोलन शामिल हैं। संघ का प्रभाव केवल संख्या में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में समुदायों के शांत परिवर्तन में भी दिखाई देता है।

जैसे-जैसे 'संघ' अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और देश के विभिन्न राज्यों के कई मुख्यमंत्री अपनी संघ के मूल को गर्व से धारण कर रहे हैं। तथापि, राजनैतिक सत्ता से इतनी निकटता होने पर भी, संघ ने अपनी मूल पहचान कभी नहीं खोई है। 'संघ' की मूल इकाई आज भी मैदान में शाखा, हवा में लहराता भगवा ध्वज और सादी सफेद कमीज और भूरी पैंट पहने युवाओं द्वारा की जाने वाली सायंकाल की प्रार्थना है।

बहुधा यह प्रश्न पूछा जाता है: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रतिबंधों, निरंतर अपयश, मिथ्या प्रचार और व्यंग्यचित्रण से कैसे बच पाया है? इसका उत्तर हनुमान चालीसा में निहित है। तुलसीदास के हनुमानजी के दर्शन की तरह, संघ कभी भी उधार के बल पर निर्भर नहीं रहा। इसकी शक्ति भीतर से आती है – अनुशासन, सेवा और धर्म में अटूट विश्वास।

अपने सौवें वर्ष में प्रवेश करते हुए, 'संघ' केवल मील का पत्थर सिद्ध होने वाला संगठन नहीं है। यह इस विचार का जीवंत प्रमाण है: कि जब कोई समाज अपनी लौ की रक्षा करना सीख जाता है, तो कोई भी झंझावात उसे बुझा नहीं सकता।

आपन तेज सम्हारो आपै!
यही हनुमान की कहानी है।
यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कहानी है।
अविचल, प्रकाशमान, शाश्वत ज्योति।

'टैरिफ हथियार बन गए हैं, भारत वैश्विक दबाव के आगे नहीं झुकेगा', कृषि मंत्री का खाद्य सुरक्षा पर अहम बयान

नई दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति में खाद्यान्न के लिए वैश्विक बाजार पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसलिए हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए छह प्रमुख क्षेत्रों में काम कर रही है। वैश्विक अस्थिरता में, जहां व्यापार और टैरिफ हथियार बन गए हैं, भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात कही। उन्होंने जोर दिया कि देश को वैश्विक बाजारों पर निर्भर हुए बिना खाद्य सुरक्षा को और मजबूत करना चाहिए। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 120वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत वैश्विक भाई होने में विश्वास करता है और दुनिया के बारे में चिंतित है, लेकिन देश का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कृषि क्षेत्र को मजबूत करना अहम

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की 46 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर कृषि पर निर्भर है, जिससे इस निर्भरता को कम करने के लिए चल रहे प्रयासों के बावजूद इस क्षेत्र को मजबूत करना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में खाद्यान्न के लिए

वैश्विक बाजार पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसलिए हमें आत्मनिर्भर बनना होगा।

80 करोड़ लोगों को मिल रहा मुफ्त राशन

पीएल480 कार्यक्रम के तहत अमेरिकी खाद्य सहायता पर भारत की पिछली निर्भरता को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि देश ने एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब अतीत में किसी प्रधानमंत्री को लोगों से हफ्ते में एक बार उपवास रखने के लिए कहना पड़ता था। लेकिन अब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि गोदाम इस समय चावल और गेहूं से भरे हुए हैं। हालांकि, उन्होंने न केवल खाद्य सुरक्षा के लिए बल्कि किसानों की आय सुनिश्चित करने के लिए भी कृषि को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दलहन और खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत

उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए छह प्रमुख क्षेत्रों में काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि चावल और गेहूं के मामले में हम वैश्विक औसत पर हैं, लेकिन दलहन और तिलहन के मामले में हम पीछे हैं। हमें दलहन और खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

आईसीएआर बेहतर गुणवत्ता वाले बीज विकसित करने के लिए काम कर रही

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) बेहतर गुणवत्ता वाले बीज विकसित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि चूँकि भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों की अनुमति नहीं है, इसलिए संकर बीज विकसित करने के लिए जीनोम संपादन विधि का उपयोग किया जा रहा है और इसमें उत्साहजनक सफलता मिल रही है। चौहान ने छोटे किसानों को ध्यान में रखते हुए मशीनीकरण और खाद्य प्रसंस्करण को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि 'विकसित भारत' के निर्माण में सभी की भूमिका है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 398 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 398.44 अंक उछलकर 82,172.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.65 अंक की

बढ़त के साथ 25,181.80 पर बंद हुआ। शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 398.44 अंक या 0.49 प्रतिशत उछलकर 82,172.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.65 अंक या 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,181.80 पर आ गया। रुपया गुरुवार को मामूली नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करते हुए अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर के आसपास रहा और अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.79 पर बंद हुआ, जो 4 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ।

रोचक तथ्यों का करंट

- एक वर्ष में इंसान औसतन 50 लाख बार सांस लेता है।
- मानव शरीर की त्वचा से प्रतिदिन 10 बिलियन उत्तक/कोशिकाएं गिरती हैं।
- जन्म के समय मानवीय शरीर में 300 हड्डियां होती हैं. व्यस्क होने तक शरीर में 209 हड्डियाँ रह जाती हैं।
- औसत HB पेंसिल 35 मील लम्बी लकीर खींच सकती है और 50,000 शब्द लिख सकती है।
- आपके शरीर की एक चौथाई हड्डियां आपके पैरों में होती हैं।
- औसतन आदमी अपनी पूरी जिन्दगी के दो हफ्ते रेड ट्रैफिक सिग्नल को ग्रीन होने के इंतजार में व्यतीत करता है।
- अजवाइन को खाने में इतनी कैलोरी लगती है जितनी अजवाइन में भी नहीं होती।
- एक गधा रेत के दलदल में डूब सकता है परन्तु एक खच्चर नहीं.
- सबसे बड़ा हिमपात खंड (बर्फ गिरते समय बर्फ का टुकड़ा या फाहा) 15 इंच चौड़ा और 8 इंच मोटा था।
- कोड़े की नोक की गति इतनी तेज होती है कि इसकी आवाज किसी छोटे सुपरसोनिक बूम जैसी होती है।

'भारत ने 11 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल हाईवे तैयार किया', बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दावा किया है कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल हाईवे बनाया है। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक अभूतपूर्व नेटवर्क तैयार किया है, जो तकनीक के माध्यम से देश के सुदूर क्षेत्रों को जोड़ता है। भारत ने पिछले 11 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल हाईवे बनाया है। केंद्रीय

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह दावा किया है। उन्होंने गुरुवार को यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में बोलते हुए कहा कि इसने लाखों लोगों को जोड़ा है और देश को वैश्विक डिजिटल मानचित्र के केंद्र में ला खड़ा किया है।

भारत के अभूतपूर्व नेटवर्क की गूंज विश्व में

सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक अभूतपूर्व नेटवर्क तैयार किया है, जो तकनीक के माध्यम से देश के सुदूर क्षेत्रों को जोड़ता है। उन्होंने बताया कि भारत अब घरेलू खिलाड़ी से आगे बढ़ चुका है। हमारे उद्यमी, हमारे नवप्रवर्तक, हमारा उद्योग अब उत्पाद और सेवाएं लॉन्च करने में सक्षम हो गए हैं। अब हम जानते हैं कि लोगों में आगे आकर अपने हस्तशिल्प, सेमीकंडक्टर बनाने और खुद को विश्व बाजार से जोड़ने की क्षमता है। एक साल पहले भारत में यह क्षमता नहीं थी। अब यह क्षमता मौजूद हैं।

राशिफल

मेष: आज सिर्फ बैठने के बजाय कुछ ऐसा करें जिससे आपकी कमाई बढ़ सके। पारिवारिक जीवन को पर्याप्त समय और ध्यान दें।
वृष: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। पूरा दिन नई ऊर्जा से भरा रहेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। धन के मामले में प्रगति होगी।
मिथुन: आज कोई आपकी छवि खराब कर सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। आपका जीवन साथी थोड़ा अजीब व्यवहार कर सकता है।
कर्क: अपने सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास के कारण अपने आसपास के लोगों को प्रभावित करेंगे। अतिरिक्त पैसा रियल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है।
सिंह: आज आपका दिन ठीक रहेगा। कुछ कार्यों में थोड़ा विलंब हो सकता है। इस राशि के लव पार्टनर के जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकता है।
कन्या: आज कोशिश करें कि किसी भी तरह का जोखिम न लें। व्यापार स्थल पर माहौल अनुकूल रहेगा। योजनाओं से जुड़ने का मौका मिलेगा।
तुला: मित्रों के सहयोग से आर्थिक परेशानी दूर होगी। परिवार के सदस्य या जीवन साथी तनाव का कारण बन सकते हैं। प्यार के मामले में सामाजिक बंधनों को तोड़ने से बचें।
वृश्चिक: दिन अच्छा बीतेगा। लोगों के बीच आपकी एक अलग छवि बनेगी। पार्टनर के साथ डिनर पर जा सकते हैं। लंबी दूरी की यात्रा सफल और सार्थक होगी।
धनु: बड़े और प्रतिष्ठित लोगों से मेलजोल बढ़ सकता है। दूसरों के मामले में अपनी राय व्यक्त करने से भी बचना चाहिए। जीवनसाथी के संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकता है।
मकर: आपके कंधों पर बहुत कुछ है और निर्णय लेने के लिए स्पष्ट सोच आवश्यक है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी।
कुंभ: आज रहेगा फिट और तंदुरुस्त। आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा। कोई शुभ समाचार मिलेगा। संतान सुख की प्राप्ति होगी।
मीन: आज ऐसी जानकारी को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। आज आपके करियर में तरक्की के रास्ते खुलेंगे। आपकी हर जगह प्रशंसा होगी।

चुटकुले

दोस्त: यार, तेरी बीवी ने तेरे लिए करवा चौथ का व्रत रखा?
पति: हाँ रखती है हर साल!
दोस्त: वाह! कितना प्यार करती है तुझसे
पति: हाँ, क्योंकि उसे पता है, व्रत के बाद गिफ्ट पक्का मिलता है!

पत्नी (रोमांटिक मूड में): आज मैंने तुम्हारे लिए व्रत रखा है
पति: वाह! मैं भी तुम्हारे लिए रखूँगा!
पत्नी: क्या रखोगे?
पति: फोन साइलेंट मोड पर!

पत्नी: मैं तो व्रत में पानी भी नहीं पीती!
पति: सच में?
पत्नी: हाँ, सिर्फ जूस, दूध, कोल्ड ड्रिंक, और कॉफी पीती हूँ!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

आर्कटिक ओपन से लक्ष्य सेन बाहर

मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदों को जीवित रखा

नई दिल्ली। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी थारुण मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में देश की पुरुष एकल उम्मीदों को जीवंत रखा है। उन्होंने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर उलटफेर किया जबकि लक्ष्य सेन इस साल 10वीं बार पहले दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वातानबे से होगा।

जापान के खिलाड़ी ने लक्ष्य सेन को दी मात

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य को शुरूआत से ही संघर्ष करना पड़ा। पहले गेम के ब्रेक के समय वह 6-11 से पीछे थे और कड़ी चुनौती पेश करने में नाकाम रहे। दूसरा गेम करीबी रहा। ब्रेक के समय स्कोर जापान के खिलाड़ी के पक्ष में 11-10 था लेकिन नाराओका ने ब्रेक के बाद अपनी रणनीति बदली और लक्ष्य को सिर्फ सात अंक और हासिल करने दिए। यह नाराओका के खिलाफ लक्ष्य की आठ मैच में छठी हार और 2025 सत्र में पहले दौर में उनकी 10वीं हार है। हालांकि वह पिछले महीने हुए हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे थे।

अन्य भारतीयों को भी शुरूआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत ने डेनमार्क के रासमस गेम्के को वॉकओवर दे दिया जबकि किरण जॉर्ज ने वातानबे के खिलाफ पहला गेम 10-21 से हारने के बाद दूसरे गेम में 1-4 से पिछड़ते हुए मुकाबला बीच में छोड़ दिया। शंकर सुब्रमण्यन को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 44 मिनट में 21-17, 21-11 से हराया जबकि आयुष शेट्टी को थाईलैंड के शीर्ष वरीय कुनलावुत वितिदसार्न से 50 मिनट में 21-15, 21-16 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। पहले मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत मेजबान भारत शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को एक और करारी शिकस्त देने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा हालांकि इस मैच में उसकी निगाहें साई सुदर्शन के धैर्य और घरेलू परिस्थितियों में नीतीश कुमार रेड्डी की उपयोगिता पर टिकी होंगी। भारत ने अहमदाबाद में खेला गया पहला मुकाबला जीतकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारत के पास प्रतिभाशाली क्रिकेटरों का शानदार समूह है, जिनमें से प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शीर्ष टीम में जगह बनाने में सक्षम है। उसका मुकाबला वेस्टइंडीज की उस टीम से होगा जिसका अतीत गौरवशाली रहा है, लेकिन जो वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की विश्व भर में टी20 लीग में खेलने के लिए बड़ी मांग है लेकिन खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उसके पास बेहद कमजोर और अनुभवहीन खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम जहां खेल के हर विभाग में मजबूत नजर आती है वही वेस्टइंडीज का प्रत्येक विभाग कमजोर नजर आता है। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी टीम की टेस्ट क्रिकेट में यह गिरावट कैंसर के समान है जिसका इलाज फिलहाल असंभव लगता है।

कोटला की पिच मुख्य रूप से काली मिट्टी वाली है और इस पर शॉट खेलने के अच्छे मौके हैं। अगर भारत पहले बल्लेबाजी करता है तो शीर्ष क्रम फिर से वेस्टइंडीज के क्लब स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करना चाहेगा। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में पहले टेस्ट में केवल जेडन सील्स ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए थे।

पत्नी ने करवाई थी प्रेमी के संग मिलकर हत्या

पुलिस ने पांच को किया गिरफ्तार

मसूरी पुलिस ने खोला सनसनी हत्या का राज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ग्रामीण जोन में थाना मूसरी क्षेत्र में सात अक्टूबर की रात हुई युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने हत्या में शामिल पत्नी, उसके प्रेमी और तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन तमंचे और कारतूस बरामद किए गए हैं। हालांकि अभी भी तीन आरोपी फरार हैं। मृतक और आरोपी सभी बदमाश हैं और सब पर कई मुकदमे चल रहे हैं।

मुंह में गोली मार कर हुई थी हत्या

करंट क्राइम : एसीपी मसूरी लिपि नगायच ने बताया कि 7 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे आसिफ उर्फ गुल्लू, निवासी डासना की सिकरोड अंडरपास के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई की तहरीर पर थाना मसूरी में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पता चला कि मृतक की पत्नी अर्शी के मोहल्ले में रहने वाले युवक रिहान के साथ प्रेम संबंध थे। मृतक आसिफ पर पहले से कई मुकदमे दर्ज थे और वह अप्रैल 2025 में जेल से रिहा हुआ था।

मृतक के जेल से रिहा होने के बाद अर्शी और रिहान को मिलने में होती थी दिक्कत

करंट क्राइम : मृतक के जेल से आने के बाद अर्शी और रिहान के मिलने-जुलने में दिक्कत आने लगी थी। इसी कारण दोनों ने षड्यंत्र रचकर आसिफ की हत्या की योजना बनाई। इसके लिए रिहान ने अपने साथियों बिलाल, जीशान और उमेश की मदद ली थी, योजना के अनुसार आसिफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस हत्याकांड में रिहान, बिलाल, जीशान, उमेश और अर्शी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी गुलफाम और दानिश फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

पहले हिंदू थी अर्शी

करंट क्राइम : पुलिस ने बताया है कि अर्शी पहले हिंदू धर्म से थी 2021 में अर्शी ने आसिफ से दूसरी शादी करी थी और उसके बाद मुसलमान बन गई थी। आसिफ की भी दूसरी शादी थी।

अश्विन ने किसी के दबाव में जबरदस्ती लिया संन्यास? 10 महीने बाद किया बड़ा खुलासा

मुंबई। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला पूरी तरह निजी था और इसमें किसी ने उन पर कोई दबाव नहीं डाला। उन्होंने कहा कि किसी ने उनसे यह नहीं कहा कि टीम में तुम्हारे लिए जगह नहीं है। यहां तक कि दो-तीन लोगों ने उन्हें रिटायरमेंट टालने की सलाह दी थी, लेकिन उन्होंने फैसला ले लिया था।

39 वर्षीय अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में ब्रिस्बेन टेस्ट (बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25) के बाद अचानक संन्यास लेकर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। इसके बाद उन्होंने इस साल अगस्त में आईपीएल से भी संन्यास का एलान किया, जिससे वह अब विदेशी टी20 लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हो गए हैं। वह जल्द ही ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे।

रोहित और गंभीर ने कही यह बात

अपने यूट्यूब चैनल पर बातचीत में अश्विन ने बताया, 'रोहित शर्मा ने मुझसे कहा कि इस फैसले पर फिर से सोचो। गौती भाई (गौतम गंभीर) ने भी यही कहा। हालांकि, मैंने अजीत अगरकर (चयन समिति के अध्यक्ष) से इस बारे में ज्यादा बात नहीं की। जब कोई खिलाड़ी संन्यास लेता है तो यह पूरी तरह व्यक्तिगत निर्णय होता है, और मेरे लिए भी यह निजी फैसला था।'

टीम मैनेजमेंट पर लगे आरोपों का खंडन

अश्विन के इस बयान से यह साफ हो गया है कि टीम प्रबंधन या चयनकताओं ने उन्हें संन्यास के लिए मजबूर नहीं किया था। उन्होंने कहा कि उनके फैसले के पीछे कोई बाहरी कारण नहीं था और न ही किसी ने उन पर दबाव बनाया।

अश्विन ने आगे कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ टीम प्रबंधन को खुलकर बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'विराट कोहली वनडे क्रिकेट के दिग्गज हैं। जिस तरह से उन्होंने और रोहित ने 2023 विश्व कप में बल्लेबाजी की, उन्हें खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है। मुझे उम्मीद है कि चयनकताओं और टीम प्रबंधन ने उनसे संवाद किया होगा।' अश्विन ने यह भी कहा, 'विराट और रोहित दोनों में अभी काफी क्रिकेट बाकी है। उनके अनुभव को कोई खरीद नहीं सकता। कोई भी कोच या चयनकर्ता यह नहीं कह सकता कि उनकी सेवाओं की अब जरूरत नहीं है।'

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने की समीक्षा बैठक

कई अधिकारियों को लगाई फटकार, मांगा स्पष्टीकरण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा आज विभिन्न कार्यक्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा हेतु अधीनस्थ अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक लगभग चार घंटे तक चली, जिसमें अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान उपाध्यक्ष ने हेल्पलाइन, शासन, मेरठ मंडलायुक्त तथा जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से प्राप्त होने वाले जनसंदर्भों एवं शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करते हुए संबंधित पक्ष को तत्काल अवगत कराया जाए। इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपाध्यक्ष वत्स ने प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी एवं अधीनस्थ स्टाफ से मामलों के समय पर निस्तारण न किए जाने पर स्पष्टीकरण तलब किया तथा प्रवर्तन जोन-6 और 1 के अधिकारियों से भी हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत का जवाब नही दिये जाने पर चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने विलंबित कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई।

बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 978 प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की गई, जिनमें प्राधिकरण स्तर से काउंटर शपथ पत्र दाखिल किया जाना है। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि अब तक लगभग 240 प्रकरणों में काउंटर शपथ पत्र दाखिल किए जाने शेष हैं।

उपाध्यक्ष ने इस प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि काउंटर शपथ पत्र दाखिल किए जाने की संख्या को शीघ्र ही 100 से कम लाया जाए। उन्होंने कहा कि न्यायालय के अधीन मामलों में सक्रियता और पारदर्शिता से ही प्राधिकरण की कार्यप्रणाली को और मजबूत बनाया जा सकता है।

गाजियाबाद में 'शौर्य को सम्मान' कार्यक्रम आयोजित

स्कूली प्रार्थना में बजे शहीदों की आरती, देश भक्ति स्वयं जागेगी : राज्यपाल गुरमीत सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय सैनिक संस्था की गाजियाबाद इकाई द्वारा गुरूवार को मेरठ रोड स्थित शहीद स्मारक पार्क में 'शौर्य को सम्मान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

राज्यपाल ने कहा कि शहीदों की आरती जो आज बजाई गई है, यदि ये स्कूलों की सुबह की प्रार्थना में बजाई जाने लगे तो भारत में देश भक्ति जागरण स्वयं ही प्रारम्भ हो जाएगा। पावन चिंतन धारा आश्रम के संस्थापक प्रोफेसर (डा.) पवन सिन्हा गुरु ने कहा कि जब हम शौर्य का सम्मान करते हैं, तो सत्य के साथ खड़े होने की ताकत हममें स्वयं पनपने लगती है। एनडीआरएफ के कमांडेंट पी के तिवारी ने स्कूलों के लिए कई सुझाव दिए। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने बताया कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जल्द ही यहाँ एक ओपन एयर थिएटर का निर्माण करने जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन सीमा त्यागी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर नीलम पवार ने दिया। कार्यक्रम के अंत में पुलिस ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया व एनडीआरएफ के बैंड ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के पदाधिकारियों ने सभी शिक्षा, व्यापारिक और औद्योगिक संस्थानों से आह्वान किया कि वे कम से कम एक बार शहीद स्तम्भ पर आकर सर झुकाएं और शौर्य का सम्मान करें।

राजनगर एक्सटेंशन में बदहाल सड़कों को लेकर अधिवक्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद करंट क्राइम। राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में बारिश के कारण सड़कों की हुई दुर्दशा, गड्ढों, गंदगी और जलभराव की समस्या से आमजन बुरी तरह परेशान हैं। क्षेत्र की इन गंभीर समस्याओं को लेकर राजनगर एक्सटेंशन निवासी अधिवक्तागण विष्णु कुमार गुप्ता-मानवाधिकार कार्यकर्ता, ब्रह्मदेव त्यागी और संतराज चौहान ने गुरुवार को को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा । ज्ञापन की प्रति गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम गाज़ियाबाद तथा नगर विकास विभाग लखनऊ को भी प्रेषित की गई है ।मानवाधिकार कार्यकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार गुप्ता का कहना है कि विगत हाल में लगातार बारिश से क्षेत्र में सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। जगह-जगह गहरे गड्ढे, कीचड़ और जलभराव के कारण लोगों का चलना-फिरना-निकलना मुश्किल हो गया है ।प्रशासन को तत्काल कार्यवाही करनी चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके। प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर सड़कों की मरम्मत, जल निकासी और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की गई है, जिससे आमजन को राहत मिल सके और किसी भी आकस्मिक दुर्घटना से बचाव हो सके।

दिल्ली हाईकोर्ट ने टीम इंडिया के नाम पर सवाल उठाने को समय की बबार्दी बताया, याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को 'टीम इंडिया' या 'भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम' कहकर संबोधित करना गलत है क्योंकि बीसीसीआई एक निजी संस्था है, सरकारी निकाय नहीं।

पीआईएल में कहा गया : बीसीसीआई निजी संस्था, फिर कैसे कहलाती है 'टीम इंडिया'?

यह याचिका वकील रीपक कंसल द्वारा दायर की गई थी, जिन्होंने कहा कि चूंकि बीसीसीआई एक निजी सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है और इसे राष्ट्रीय खेल महासंघ (ठरञ्ज) का दर्जा भी नहीं मिला है, इसलिए इसे 'राष्ट्रीय टीम' कहना जनता को भ्रमित करता है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया और कहा कि यह मामला समय की बबार्दी है। कोर्ट ने तीखे शब्दों में कहा, 'क्या आप कहना चाहते हैं कि जो टीम भारत का प्रतिनिधित्व कर रही है, वह भारत की टीम नहीं है? अगर दूरदर्शन या कोई और संस्था उसे टीम इंडिया कहती है, तो क्या वह टीम भारत की नहीं है?' न्यायालय ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों जैसे आईओसी (इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी) के नियमों के मुताबिक, किसी भी सरकार का सीधा हस्तक्षेप खेल संचालन में स्वीकार्य नहीं है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा- बेहतर जनहित याचिकाएं दाखिल करें

न्यायपीठ ने कहा, 'जहां-जहां सरकार ने खेलों में दखल दिया है, वहां आईओसी ने सख्त कार्रवाई की है।' कोर्ट ने याचिकाकर्ता को नसीहत देते हुए कहा कि वे बेहतर जनहित याचिकाएं दाखिल करें और इस याचिका को तुरंत खारिज कर दिया।

'संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत 'राज्य' नहीं माना जा सकता'

कंसल की याचिका में तर्क दिया गया था कि बीसीसीआई, तमिलनाडु सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1975 के तहत पंजीकृत एक निजी संस्था है और इसे संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत 'राज्य' नहीं माना जा सकता। याचिका में यह भी कहा गया कि प्रसार भारती, जो दूरदर्शन और आकाशवाणी का संचालन करती है, बीसीसीआई की टीम को टीम इंडिया कहकर राष्ट्रीय प्रतीकों और नामों का अनुचित प्रयोग कर रही है।

याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया कि यह कार्य राष्ट्रीय प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1950 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 का उल्लंघन है। हालांकि, अदालत ने माना कि यह तर्क व्यावहारिक नहीं है और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली क्रिकेट टीम को टीम इंडिया कहना पूरी तरह स्वाभाविक और उचित है।

राजेन्द्र नगर क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को जीडीए ने किया ध्वस्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में गुरुवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-07 के नेतृत्व में निर्माणकर्ता सुरेश कुमार गदोदिया पुत्र स्व0 बाबूलाल गदोदिया द्वारा भूखण्ड संख्या-8/178ए, सै0-03, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद गाजियाबाद पर स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर किये गये अनाधिकृत निर्माण के विरूद्ध वाद सं0-ऋ्रऊअ/अठक/2025/0004353 के माध्यम से किये गये अवैध निर्माणों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस, कार्य रोको नोटिस एवं पर्याप्त सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुये निर्माणकर्ताओं को ध्वस्तीकरण के आदेश भी तामिल किये गये, किन्तु निर्माणकर्ताओं द्वारा कोई सन्तोषजनक उत्तर/साक्ष्य कार्यालय में प्रस्तुत नही किया गया, ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान निर्माणकर्ता द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं प्रवर्तन जोन-07 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण/सील की कार्यवाही किये जाने का अभियान जारी रहेगा।

मिशन शक्ति के तहत एसीपी नंदग्राम ने आयोजित किए दो कार्यक्रम

मुख्य अतिथि के तौर पर प्राची चौधरी सचिव, वामा सारथी पुलिस एसोसिएशन उ.प्र. रहीं मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर सिटी जोन में महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। थाना नंदग्राम क्षेत्र में एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम, पिंक बूथ व एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा डी.पी.एस. राजनगर स्कूल में छात्राओं व महिला स्टाफ को आत्मरक्षा व सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी गई। इसमें मुख्य अतिथि प्राची चौधरी सचिव, वामा सारथी पुलिस एसोसिएशन, उ.प्र. ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। इस दौरान पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई और पंपलेट भी वितरित किए गए। वहीं थाना सिहानीगेट क्षेत्र में यशोदा हॉस्पिटल के सहयोग से दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में भी मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गीला-सूखा कचरा पृथक्करण को लेकर निगम का अभियान जारी

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों के साथ नगर आयुक्त पहुंचे जनता के द्वार

हर घर से सहयोग ही बनेगा स्वच्छ शहर की पहचान : विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर को स्वच्छ और सुसंगठित बनाने के लक्ष्य के तहत गाजियाबाद नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर अभियान तेज कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक स्वयं डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों के साथ नागरिकों के द्वार पहुंचे और गीला व सूखा कचरा पृथक्करण के महत्व की जानकारी दी। शहर भ्रमण के क्रम में नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग टीम के कार्यों की समीक्षा की और कवि नगर जोन के अंतर्गत गोविंदपुरम, शास्त्री नगर, संजय नगर सेक्टर 23 तथा राजनगर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्रीय निवासियों से फीडबैक भी लिया और जहाँ सफाई व्यवस्था संतोषजनक रही, वहाँ नगर निगम टीम की प्रशंसा की।

नगर आयुक्त ने कहा, शहरवासियों की आदतों में अब कचरा पृथक्करण शामिल हो रहा है, जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम है। निगम का लक्ष्य केवल सफाई नहीं, बल्कि स्रोत पर कचरा पृथक्करण को जन-आंदोलन बनाना है।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने 311 एप्लीकेशन के माध्यम से सफाई मित्रों की हाजिरी व क्षेत्रवार कार्य मॉनिटरिंग की जानकारी भी नागरिकों को दी। उन्होंने सफाई मित्रों को प्रत्येक घर से कचरा एकत्र करते समय नागरिकों को पृथक्करण के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में नगर निगम के पाँचों जोनों में लगभग 650 कूड़ा कलेक्शन वाहन कार्यरत हैं, जिनमें ड्राइवर और हेल्पर तैनात हैं। यह कार्य नेचर ग्रीन तथा जे एस एनवायरो संस्थाओं के माध्यम से कराया जा रहा है। सभी वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम भी सक्रिय है, जिससे रूट मॉनिटरिंग और सफाई की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

राजनगर और शास्त्री नगर के निवासियों ने निगम की कचरा पृथक्करण मुहिम और कूड़ा घर विलोपित अभियान की सराहना की। निरीक्षण के समय पार्षद अजय शर्मा भी मौजूद रहे। नगर निगम के अधिकारियों ने इस दौरान ट्रिपल आर (Reduce, Reuse, Recycle) की अवधारणा पर नागरिकों को जागरूक किया और स्वच्छ गाजियाबाद के संकल्प को दोहराया।

पुलिस कमिश्नर ने मसूरी थाने के मिशन शक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने थाना मसूरी का भ्रमण कर मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस कमिश्नर ने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मिशन शक्ति केंद्र में कार्यरत स्टाफ से महिला शिकायतकर्ताओं से व्यवहार, शिकायत निस्तारण और केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने प्रभारी निरीक्षक मसूरी एवं केंद्र के समस्त स्टाफ को निम्न दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने मिशन शक्ति केंद्र की टीम को अभियान के उद्देश्यों को पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ पूरा करने के लिए आदेशित किया है।

पुलिस कमिश्नर का आदेश इन बातों का हमेशा रहे ध्यान

- महिला शिकायतकर्ताओं के साथ संवेदनशील और आदरपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।
- उनकी शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए।
- केंद्र पर आने वाली महिलाओं को उचित मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान किया जाए।
- नागरिक केंद्रित पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए आमजन की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता के साथ किया जाए।
- परिसर में स्वच्छता एवं सुव्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए।
- आगंतुकों के लिए वेटिंग एरिया की उचित व्यवस्था हो।
- परिसर में सभी सीसीटीवी कैमरे सक्रिय एवं कार्यशील रहें तथा उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए।
- पानी और बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे।

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने बनाया नकलविहीन परीक्षा का प्लान

कैमरों से होगी निगरानी, वाहन बाहर होंगे पार्क

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 12 अक्टूबर को आयोजित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा और सहायक वन अधिकारी सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार को पुलिस लाइन में एडिशनल सीपी मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी ने कमिश्नरेट गाजियाबाद में ब्रीफिंग की। इसमें अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन्स, सहायक पुलिस आयुक्त प्रज्ञान, ड्यूटी पर्यवेक्षण अधिकारी एवं परीक्षा केंद्रों से जुड़े थाना प्रभारी तथा केन्द्र प्रभारी (उपनिरीक्षक) उपस्थित रहे। पुलिस ने परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। जिसमें प्रथम पाली: 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और द्वितीय पाली 2:30 बजे से 4:30 बजे तक रहेगी।

मोबाइल, कैलकुलेटर और ब्लूटूथ रहेगा बैन

करंट क्राइम : एडिशनल सीपी ने पुलिस टीमों को निर्देश दिया है कि परीक्षा कक्षों में कैमरे लगाए जाएंगे। तो वहीं मोबाइल, कैलकुलेटर, हाथ घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस जैसी प्रतिबंधित वस्तुओं पर पूर्ण रोक रहेगी। साथ ही, वाहन केन्द्र के अंदर न खड़े होने और परीक्षा से पूर्व/बाद में जाम न होने के लिए ट्रैफिक पुलिस विशेष सतर्कता बरतेगी।

परीक्षा में सीसीटीवी निगरानी, मुख्यमंत्री ने दिए नकलविहीन कराने के निर्देश

करंट क्राइम : एडिशनल सीपी ने बताया है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार परीक्षा नकलविहीन और शांतिपूर्ण कराने के लिए पुलिस ने सभी सुरक्षा और व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी और मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस, हाथ घड़ी आदि प्रतिबंधित वस्तुओं पर पूर्ण रोक रहेगी। पुलिस ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वाहन केंद्र के अंदर न खड़े हों और परीक्षा से पूर्व या बाद में जाम की स्थिति न उत्पन्न हो।

डासना जेल रोड पर हत्या के मामले में पुलिस के हाथ खाली ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर युवक की हत्या

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के अति सुरक्षित क्षेत्र माने जाने वाले डासना जेल के बाहर युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने की घटना से हड़कंप मच गया। इस घटना से जहां पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई, वहीं कई सारे सवाल भी उठ रहे हैं। बताया जाता है कि युवक पर गोलियां बरसाने के बाद हमलावर पैदल ही भाग गए। गोली लगने से घायल युवक की मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया है। मृतक युवक मकान के लिंटर के स्क्रैब का काम करता था।

करवा चौथ के लिए चली छुट्टी ट्रिक

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी हैं। वैसे तो महकमें में सभी वर्दीधारियों को एक समान माना जाता है लेकिन कई ऐसे मौके होते हैं, कि उनकी अलग पहचान, महत्व और डिमांड रहती है। अब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्रों ने बताया है कि आज जो खास दिन हैं , उसकी लिए इस बार महकमे में कोतवालों की टेबल पर छुट्टी वाली एप्लीकेशनों का अंबार लगा है। सुनने में आ रहा है कि कई थानों के प्रभारियों ने तो छुट्टी की एप्लीकेशनों को पढ़ने के बाद गुस्सा आया तो वहीं कई जगह हंसी वाला सीन भी बताया जा रहा है। सूत्रों ने बताया है कि साल में एक बार आने वाले करवा चौथ व्रत के लिए किसी थाने में महिला पुलिसकर्मियों द्वारा सांस की तबीयत खराब कराई गई है। तो किसी ने अपनी बीमारी का बहाना बनाया है। कुल मिलाकर सबका मकसद और मांग एक ही है कि साहब छुट्टी दे दो। किसी ने मांग तीन दिन की रखी तो कोई पांच दिन का अवकाश मांग बैठा। कुल मिलाकर सीन और मकसद एक ही था कि करवा चौथ से पहले और आगे तक एक-दो दिन की छुट्टी मिल जाए ताकि आमद रवानगी के चक्कर में नुकसान ना उठाना पड़े। उधर पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मामला चाहे सिटी का हो या नदिया पार का बहानों की भरमार तीनों जोन में थी। किसी ने ऑपरेशन का बहाना बना डाला, तो किसी ने अन्य कारण बता डाला। पुलिस के सूत्र बताते हैं कि बीते तीन दिनों में कई थानों के प्रभारी के पास छुट्टी की लंबी एप्लीकेशन वाली लिस्ट देखी गई है। मेज पर रजिस्टर से ज्यादा छुट्टी पहुंची और उन छुट्टियों में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या अधिकतर रही है। एक तरफ पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में मिशन शक्ति का जोर चल रहा है। तो मिशन शक्ति की कमान संभालने वाली महिलाएं छुट्टी के शोर की भी गूंज है। कुल मिलाकर अगर कहा जाए तो खाकी में और अधिकारियों के रूप में महिला-पुरुष वाला भेद नहीं होता। पर जिस तरीके से छुट्टी को लेकर मामला महकमे से बाहर निकलकर आ रहा है, वह बता रहा है कि एक छुट्टी की कीमत और उसे पाने का जुगाड़ लगाना भी कम मेहनत वाला काम नहीं रहा है। कुल मिलाकर कहा जाए तो अधिकांश थानों में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने स्तर से अपनी छुट्टी का इंतजाम कर ही लिया है ताकि सालभर वाले त्यौहार को जोरदार तरीके से मनाया जा सके।

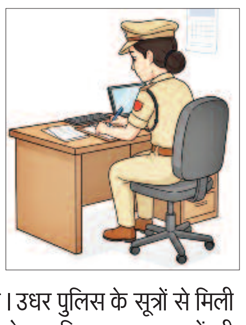

करवाचौथ पर अधिवक्ता रहेंगे न्यायिक कार्यों से विरत

बार एसोसिएशन गाजियाबाद का निर्णय

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद की कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को अध्यक्ष दीपक शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसका संचालन सचिव अमित नेहरा द्वारा किया गया। बैठक में करवाचौथ पर्व के मद्देनजर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि शुक्रवार 10 अक्टूबर को करवाचौथ का त्यौहार मनाए जाने के कारण जनपद न्यायालय गाजियाबाद की लगभग 400 महिला अधिवक्ता इस अवसर पर व्रत रखती हैं। इसलिए निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को अधिवक्ता केवल जमानत प्रार्थनापत्र एवं अर्जेन्ट कार्यों हेतु न्यायालय में उपस्थित रहेंगे, जबकि अन्य न्यायिक कार्यों से विरत रहेंगे। यह प्रस्ताव संबंधित सभी न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

निर्माण का आधार : मजबूत नींव और बेहतर योजना : अंकित त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अथर्व ग्रुप के डायरेक्टर अंकित त्यागी ने बताया कि निर्माण का आधार मजबूत नियम और बेहतर योजना है उन्होंने बताया कि घर या किसी भी इमारत के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण कदम सही योजना और मजबूत नींव है। एक मजबूत नींव के बिना, पूरी इमारत कमजोर हो सकती है। इसके लिए, यह जरूरी है कि आप कुछ बातों का ध्यान रखें :

अनुमति और दस्तावेज : निर्माण कार्य शुरू करने से पहले, सभी आवश्यक अनुमतियाँ और बीमा प्राप्त करें। बिना अनुमति के काम करने से भारी जुर्माना या देरी हो सकती है।

सही सामग्री का चयन : निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उदाहरण के लिए, आरसीसी के लिए एक ही ग्रेड की टीएमटी बार का उपयोग करें, ताकि संरचना में दरारें न पड़ें। कंक्रीट कवर ब्लॉक का उपयोग सही अंतराल पर करें।

परियोजना प्रबंधन : पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक कुशल परियोजना प्रबंधक को नियुक्त करें। इससे काम समय पर और बजट के भीतर पूरा होगा।

महापर्व छठ पूजा के लिए पुलिस प्रशासन को सौंपा गया 11 सूत्री मांग पत्र

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। महापर्व छठ पूजा के अवसर पर पूरविया जन कल्याण परिषद् के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस आयुक्त को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय महासचिव पंडित राकेश तिवारी ने कहा कि छठ पूजा के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पुलिस आयुक्त ने परिषद के प्रतिनिधि मंडल को बेहतर व्यवस्था का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के दौरान सभी घाटों पर पुलिस, महिला पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहेंगे। इसके अलावा, हिंडन नदी और नहर में नाव और गोताखोरों की व्यवस्था के साथ अग्निशमन की गाड़ी और आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था रहेगी। सभी कार्यक्रम सीसीटीवी में कैद होंगे।

इस अवसर पर रीता सिंह, पंडित राकेश तिवारी, उज्वला राय, कंचन तिवारी, राजा राम मौर्या, बिनोद अकला, संजीव सिंह, रामबाबू सिंह, सुरेंदर भारती सहित काफी संख्या में घाटों के प्रभारी मौजूद रहे। पंडित राकेश तिवारी ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि पुलिस प्रशासन के सहयोग से छठ पूजा का पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जा सकेगा।

मुवक्किलों के हितों की रक्षा करना ही हमारा धर्म : एडवोकेट मनमोहन शर्मा

गाजियाबाद। सिविल कोर्ट गाजियाबाद में कार्यरत एडवोकेट मनमोहन शर्मा ने बताया कि वकील का मुख्य काम अपने मुवक्किल को कानूनी सलाह देना उनके अधिकारों और हितों की रक्षा करना, कानूनी दस्तावेज तैयार करना और अदालत में उनका प्रतिनिधित्व करना है। उन्होंने कहा कि वे मुवक्किलों के मामलों पर शोध करते हैं, कानूनों और विनियमों की व्याख्या करते हैं, और विवादों को सुलझाने या समझौते करने में उनकी मदद करते हैं।

वकील के मुख्य कार्य

कानूनी सलाह देना : मुवक्किलों को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सूचित करना, और किसी भी कानूनी मामले में उपलब्ध विकल्पों पर स्पष्ट सलाह देना।

कानूनी दस्तावेज तैयार करना : विभिन्न कानूनी कार्यों के लिए जैसे समझौते, आवेदन और अन्य कानूनी प्रलेख तैयार करना।

अदालत में प्रतिनिधित्व करना : अदालत में मुवक्किलों के पक्ष में दलीलें पेश करना, सबूत पेश करना और दूसरे पक्ष के गवाहों से जिरह करना।

मामलों पर शोध करना : किसी भी कानूनी मामले के तथ्यों और लागू कानूनों पर गहरा शोध करना।

मुवक्किलों के हितों की रक्षा करना : अपने मुवक्किलों के लिए एक वकील के रूप में कार्य करना और यह सुनिश्चित करना कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए।

समझौते और मध्यस्थता : मुवक्किलों को विवादों को शांतिपूर्वक सुलझाने और मध्यस्थता करने के लिए प्रोत्साहित करना, जब भी यह संभव हो।

कानूनी प्रणाली में सहायता करना : व्यक्तियों और संगठनों को जटिल कानूनी प्रणाली के साथ बातचीत करने में मदद करना।

संक्षेप में, वकील कानूनी पेशेवरों का एक समूह है जो समाज को कानूनी सहायता प्रदान करते हैं और निष्पक्षता व न्याय बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गाजियाबाद के टीला मोड में रह रहा था एक लाख का इनामी डकैत शैतान, बरेली पुलिस ने मार गिराया

बरेली। करंट क्राइम। बरेली पुलिस ने गुरुवार तडके एक लाख रुपए का एक इनामी डकैत को मुठभेड में मार गिराया। एसओजी और तीन थानों की संयुक्त टीम ने शानदार कोर्डिनेशन बनाकर डकैत शैतान उर्फ इफ्तेखार को मार गिराया। शैतान पर कई जिलों में 19 मुकदमे दर्ज थे। 2012 में पुलिस कस्टडी से फरार होने के बाद उसने अपना गैंग बना लिया था। मुठभेड़ में एक सिपाही घायल हुआ है और पुलिस ने मौके से हथियार, कारतूस और नकदी बरामद की है। शैतान दर्जनों नाम बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था।

पुलिस और एसओजी की टीम के साथ गुरुवार तड़के नैनीताल रोड स्थित बिलवा पुल के पास शैतान की मुठभेड हो गया। दोनों ओर से चली कई राउंड की गोली के बाद शैतान उर्फ इफ्तिखार उर्फ सोल्जर को मार गिराया। फायरिंग में एसओजी का सिपाही राहुल भी घायल हुआ है।

मारे गए डकैत पर 7 जिलों में 19 मुकदमे दर्ज हैं। वह थाना बिथरी चैनपुर थाने में डकैती की घटना में वांछित चल रहा था। 2006 में थाना फरीदपुर के पचौमी मंदिर के पुजारी की हत्या समेत डकैती में शामिल था। वर्ष 2012 में बाराबंकी से पुलिस कस्टडी से फरार हुए था, आठ साल बाद पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक पिस्टल, दो मैगजीन 17 कारतूस, 28000 रुपए, मोबाइल, मोटरसाइकिल बरामद हुई है। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। शैतान मूलरूप से कासगंज के कादरगंज रोड पर बरी चौक का रहने वाला है। मौजूदा समय मे गाजियाबाद में टीला मोड़ स्थित थाना भूपखेड़ी के गांव जगत बट्टा में रह रहा था।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। परिवार की सबसे बड़ी शान परिवार के बच्चे होते हैं। बच्चे हमेशा मां के सच्चे होते हैं और बच्चों के लिए परिवार ही प्यार है और परिवार के लिए सबसे बड़ी चीज बच्चों का प्यार है। परिवार और बच्चों के बीच छपी एक मुस्कान को प्रियंका प्रियदर्शनी ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

न्यूज डायरी

श्रीलंका में 47 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

श्रीलंका। श्रीलंका की नौसेना ने गुरुवार को 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया और उनकी पांच ट्रॉलर बोट जब्त कर ली हैं। यह कार्रवाई उत्तरी श्रीलंका के तलाईमन्नार क्षेत्र में की गई, जहां मछुआरों पर श्रीलंका की समुद्री सीमा में गैरकानूनी तरीके से मछली पकड़ने का आरोप है। नौसेना ने बताया कि यह गिरफ्तारियां मन्नार और डेल्फ्ट समुद्री क्षेत्रों में चलाए गए समन्वित गश्ती अभियान के दौरान की गईं। यह ऑपरेशन बुधवार रात से शुरू होकर गुरुवार सुबह तक चला। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपथ ने बताया कि पकड़े गए मछुआरों और जब्त बोट्स को उत्तर श्रीलंका के मत्स्य विभाग के अधिकारियों को सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों का मुद्दा लंबे समय से विवाद का विषय बना हुआ है। कई बार श्रीलंकाई नौसेना पर भारतीय मछुआरों पर गोली चलाने और उनकी नाव जब्त करने के आरोप लगे हैं। पिछले महीने भी 12 भारतीय मछुआरों को जाफना के पास गिरफ्तार किया गया था। भारतीय अधिकारियों की ओर से अब तक इस गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन ऐसी घटनाएं दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर तनाव का कारण बनती रही हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने पांच आतंकियों को किया ढेर

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने एक बड़े ऑपरेशन में कुख्यात आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 5 आतंकियों को मार गिराया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन बुधवार को सेना और पुलिस द्वारा चलाया गया था, जिसमें एक आर्मी मेजर की भी मौत हो गई। ऑपरेशन डेरा इस्माइल खान जिले के मूसा जई इलाके में चलाया गया, जो दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों को पहले से जानकारी थी कि यहां टीटीपी के आतंकी छिपे हुए हैं। मारे गए आतंकी टीटीपी के गंडापुर ग्रुप से जुड़े थे। यह कार्रवाई उस दिन के ठीक बाद हुई जब मंगलवार को एक अन्य ऑपरेशन में 11 पाकिस्तानी सैनिक, जिनमें एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर भी शामिल थे, तालिबान आतंकियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए थे। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में टीटीपी द्वारा सरकार के साथ संघर्षविराम तोड़ने के बाद से पाकिस्तान खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमलों में तेजी से बढ़ोतरी देख रहा है। आतंकी सुरक्षा बलों और कानून व्यवस्था से जुड़े लोगों को निशाना बना रहे हैं।

कांगो में इबोला के नए मामले नहीं मिले: डब्ल्यूएचओ

कांगो। दक्षिणी कांगो में फैले इबोला वायरस पर अब नियंत्रण के संकेत दिखाई दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 1 अक्तूबर के बाद से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओके अनुसार, 5 अक्तूबर तक पिछले 10 दिनों में संक्रमण के कोई नए मामले दर्ज नहीं हुए, जिससे संकेत मिलता है कि प्रभावित इलाकों में संक्रमण की श्रृंखला अब टूट रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक कुल 64 मामले (53 की पुष्टि और 11 संदिग्ध) दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 43 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि बेहतर लॉजिस्टिक्स, हेलिकॉप्टर से मेडिकल सप्लाई, ग्राउंड डिलीवरी और तीन स्वास्थ्य केंद्रों के डी-कंटेमिनेशन जैसी कार्रवाइयों से संक्रमण पर काबू पाया जा सका है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है क्योंकि लगभग 2,000 संपर्कों पर नजर रखी जा रही है और एक भी छूटा हुआ मामला संक्रमण को फिर से फैला सकता है।

गाजा तक सहायता पहुंचाने वाले दक्षिण अफ़्रीकी कार्यकताओं का आरोप- इस्राइल ने किया कड़ा रवैया

गाजा। गाजा तक सहायता पहुंचाने के प्रयास में इस्राइल द्वारा हिरासत में लिए गए छह दक्षिण अफ़्रीकी कार्यकताओं ने बुधवार को कहा कि उन्हें अन्य कैदियों की तुलना में अधिक कठोर व्यवहार झेलना पड़ा। उनका आरोप है कि इस बर्ताव का कारण दक्षिण अफ़्रीका का इस्राइल पर जेनेवा में नरसंहार का मुकदमा चलाना था। इस समूह में साउथ अफ़्रीका के एन्टी-अपार्थेड आइकन नेल्सन मंडेला के पोते मंडला मंडेला भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जब इस्राइली सुरक्षा कर्मियों ने उनके पासपोर्ट देखे और उनकी राष्ट्रीयता जानी, तो उन्हें विशेष रूप से निशाना बनाया गया। दो मुस्लिम महिलाओं ने बताया कि उनके हिजाब फाड़ दिए गए और उन्हें सैनिकों के सामने नग्न होने के लिए मजबूर किया गया। गौरतलब है कि दक्षिण अफ़्रीका ने 2023 में संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अदालत में इस्राइल के खिलाफ गाजा में नरसंहार का मुकदमा दायर किया था।

भारतीय सरकारी तेल खरीदारों से रूसी तेल व्यापारी कर रहे युआन में भुगतान की मांग

मास्को। रूसी तेल बेचने वाले कुछ ट्रेडर्स यानी व्यापारी अब भारत की सरकारी तेल कंपनियों से चीनी मुद्रा युआन में भुगतान करने की मांग कर रहे हैं। व्यापार सूत्रों के मुताबिक, वे नई दिल्ली और बीजिंग के बीच हाल में बेहतर होते रिश्तों को देखते हुए इस मौके का फायदा उठाकर भारतीय खरीदारों के साथ सौदे आसान बनाना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, भारत की सबसे बड़ी सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने हाल ही में रूसी तेल कार्गो यानी दो से तीन खेप रूसी तेल की कीमत चीनी युआन में चुकाई है। यह युआन में भुगतान का एक दुर्लभ मामला है। साल 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों के लगाए गए प्रतिबंधों ने तेल व्यापार में वैकल्पिक मुद्राओं जैसे युआन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यूएई दिरहम के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है। पहले ये तेल व्यापार लगभग पूरी तरह अमेरिकी डॉलर में होता था।

ह्यूस्टन में दो जगहों पर गोलीबारी, चार की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, शुरूआती जांच से पता चलता है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पहली वारदात दोपहर लगभग 1 बजे शुगर लैंड उपनगर में हुई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी कार से दूसरी गाड़ी पर गोली चलाई। घायल चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह रोड रेज (सड़क विवाद) का मामला था या नहीं। करीब आधे घंटे बाद ह्यूस्टन शहर के एक मैकेनिक वर्कशॉप में दूसरी गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी लेरी क्रॉसन के अनुसार, हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय घटना का वीडियो बना रहा था। जांच में दोनों घटनाओं में शामिल वाहन और हमलावर के विवरण समान थे। कुछ समय बाद पुलिस ने हमलावर को उसकी गाड़ी में मृत पाया। अधिकारियों का मानना है कि उसने खुद को गोली मार ली।

सीरिया में लापता हजारों लोगों की तलाश तेज

सीरिया। सीरिया में वर्षों से लापता हजारों लोगों का पता लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की संस्था ने कहा है कि वह नई सीरियाई सरकार के साथ मिलकर काम करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव कार्ला क्विंटाना, जो 2023 में गठित सीरिया में लापता व्यक्तियों की स्वतंत्र संस्था की प्रमुख हैं, ने बताया कि यह संस्था जनवरी 2025 में पहली बार सीरिया में प्रवेश कर सकी। यह तब हुआ जब राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाया गया था। क्विंटाना ने कहा कि अब सबसे बड़ी चुनौती मई 2025 में गठित सीरियाई आयोग के साथ समन्वय स्थापित करना है, जो लापता व्यक्तियों की खोज के लिए बना है।

भूटान में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 3.1 मापी गई

भूटान। भूटान में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। भूकंप सुबह 4 बजकर 29 मिनट (भारतीय समयानुसार) आया और इसकी गहराई सिर्फ 5 किलोमीटर थी, जिससे क्षेत्र में आफ्टरशॉक की संभावना बनी हुई है।

रेबेका ग्रिनस्पैन संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए नामित

कोस्टा रिका। कोस्टा रिका ने अपने लंबे समय से सक्रिय कूटनीतिज्ञ और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पैन को संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया है। ग्रिनस्पैन वर्तमान में जेनेवा स्थित यूएन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के महासचिव हैं और उन्हें यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अनाज को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के संयुक्त राष्ट्र प्रयास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रॉड्रिगो चावेस ने वीडियो संदेश में कहा कि ग्रिनस्पैन का अनुभव और विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा क्षेत्रीय नेतृत्व में योगदान बहुपक्षवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उनका नामांकन आने वाले हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र में औपचारिक रूप से दर्ज किया जाएगा।

'व्यापार और टैरिफ की धमकी से खत्म कराया भारत-पाकिस्तान संघर्ष', ट्रंप ने फिर अलापा राग

- भारत ने कहा है कि यह समझौता दोनों देशों की सीधी बातचीत से हुआ था, किसी तीसरे देश की मध्यस्थता से नहीं।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव को खत्म करवाने में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप का कहना है कि उन्होंने दोनों देशों को बड़े व्यापारिक प्रतिबंधों और भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, जिसके बाद ही लड़ाई रुकी। एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मेरी ताकत व्यापार और टैरिफ का इस्तेमाल है। इससे लाखों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। मैंने सात शांति समझौते कराए, जिनमें से पांच में व्यापारिक दबाव से ही देशों को लड़ाई रोकनी पड़ी।'

उन्होंने उदाहरण के तौर पर भारत-पाकिस्तान का नाम लिया। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने दोनों देशों को चेतावनी दी कि अगर वे लड़ाई बंद नहीं करेंगे तो अमेरिका उनके साथ कोई व्यापार नहीं करेगा और उन पर भारी टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने कहा, 'मैंने कहा- हम किसी से भी व्यापार नहीं करेंगे, अगर तुम लोग झगड़ा बंद नहीं करते। दोनों परमाणु देश हैं। सात विमान गिराए गए थे, हालात बहुत गर्म थे। मैंने 24 घंटे में समझौता करा दिया और लड़ाई रुक गई।'

भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस सैन्य अभियान में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। दोनों देशों के बीच चार दिन तक ड्रोन और मिसाइल से हमले किए गए। आखिर 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अफसरों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत हुई और दोनों पक्षों ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई। भारत ने हमेशा कहा है कि यह समझौता दोनों देशों की सीधी बातचीत से हुआ था, किसी तीसरे देश की मध्यस्थता से नहीं।

संघर्ष विराम कराने का ट्रंप का दावा जारी

इसके बावजूद ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि यह शांति समझौता उनके दबाव की वजह से हुआ। उन्होंने कहा, 'मैंने भारत और पाकिस्तान दोनों से कहा, अगर तुम नहीं माने तो हम तुम्हारे साथ व्यापार बंद कर देंगे। हम भारी टैरिफ लगाएंगे। और अगले ही दिन समझौता हो गया।' राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि उन्होंने सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों में भी शांति स्थापित करने में भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने सात जगहों पर 'युद्ध खत्म' करवाया, इसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के साथ-साथ कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, कांगो और रवांडा, इस्राइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, अर्मेनिया और अजरबैजान का संघर्ष विराम शामिल हैं। ट्रंप ने मध्य पूर्व में शांति प्रयासों को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि हमास और इस्राइल के बीच लड़ाई रोकना पूरे अरब जगत और अमेरिका के लिए बड़ी बात है।

संघर्षविराम पर भारत की आधिकारिक स्थिति

भारत ने बार-बार साफ किया है कि पाकिस्तान के साथ युद्धविराम किसी तीसरे देश के दबाव या मध्यस्थता से नहीं, बल्कि दोनों देशों की सीधी बातचीत से हुआ था। लेकिन ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उनके 'व्यापारिक दबाव' से ही हालात शांत हुए। ट्रंप के इस हालिया बयान पर अभी तक भारत की तरफ से प्रतिक्रिया नहीं आयी है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा: भारत ने खोली पाकिस्तान की कलई भाजपा सांसद जमकर बरसे; दुनिया को गिनाई देश की उपलब्धि

संयुक्त राष्ट्र। भारतीय बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल इन दिनों न्यूयॉर्क में हैं, जहां उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा 80वें सत्र में भारत का पक्ष रखा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के पहले प्रतिनिधिमंडल के नेता, भाजपा सांसद पी.पी. चौधरी ने बुधवार (8 अक्तूबर) को संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति में आम बहस के दौरान भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया, जहां उन्होंने पाकिस्तान के उत्पीड़न और दुष्प्रचार के इतिहास को तीखे शब्दों में उजागर किया।

जम्मू और कश्मीर पर बोलने वाले पाकिस्तान को दो टूक

जम्मू और कश्मीर पर पाकिस्तान की निराधार टिप्पणियों को खारिज करते हुए पीपी चौधरी ने दोहराया कि यह केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। उन्होंने चुनावों में धांधली, लोकप्रिय नेताओं को जेल में डालने, अपनी ही जनता पर बमबारी करने और जन विरोध प्रदर्शनों का क्रूरतापूर्वक दमन करने जैसे संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंचों का पाकिस्तान के आदतन दुरुपयोग की आलोचना की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पी.पी. चौधरी ने वैश्विक समुदाय को याद दिलाया कि पाकिस्तान के अपने सेना प्रमुख ने भी देश को डंप ट्रक बताया है, जिससे उसकी शासन व्यवस्था की सड़न उजागर होती है। साथ ही चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से प्रेरित भारत का संविधान एक अधिकार-आधारित ढांचा प्रदान करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक नागरिक अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके। चौधरी ने इस मौके पर समावेशी विकास में भारत की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

युवा सशक्तिकरण-प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पर जोर

सांसद पीपी चौधरी ने भारत के युवा सशक्तिकरण और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पर जोर दिया और माई भारत, स्किल इंडिया, पीएम-एनएपीएस और युवाएआई एआई कौशल कार्यक्रम की सफलता का जिक्र किया। साथ ही प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डिजिटल रूप से 512 अरब अमेरिकी डॉलर वितरित) और यूपीआई जैसे डिजिटल नवाचारों का भी जिक्र किया, जिन्होंने वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। उन्होंने मेरी पंचायत ऐप पर भी गर्व जताया, जिसने 2,65,000 ग्राम परिषदों को सशक्त बनाने के लिए डब्ल्यूएसआईएस 2025 चैंपियन पुरस्कार जीता।

उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में 25 करोड़ से ज्यादा लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं, जबकि लगभग 80 करोड़ लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा अब 64.3 फीसदी आबादी को कवर करती है।

इसी के साथ पीपी चौधरी ने बताया कि नारी शक्ति एक राष्ट्रीय मिशन बन गया है, जहां उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन दुनिया में सबसे ज्यादा है और 2024-25 तक कार्यबल में उनकी भागीदारी बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक, 2023 को भी महिलाओं के नेतृत्व वाले शासन में एक मील का पत्थर बताया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहले प्रतिनिधिमंडल के नेता और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि भारत ₹विकसित भारत - 2047 तक विकसित भारत₹ के अपने दृष्टिकोण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान की विभाजनकारी और दमनकारी नीतियों के बिल्कुल विपरीत, वैश्विक दक्षिण और संयुक्त राष्ट्र के एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में खड़ा रहेगा। विभिन्न राजनीतिक दलों के 15 सांसदों वाला यह दल 14 अक्तूबर तक न्यूयॉर्क में रहेगा। वहीं 15 सांसदों का दूसरा दल इस महीने के अंत तक यानी 28 अक्तूबर तक संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेगा।

ट्रंप की योजना से गाजा में संघर्ष विराम तय

बंदियों की रिहाई से लेकर बमबारी पर रोक तक, जानें समझौते में क्या?

वाशिंगटन। दो साल से इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष के चलते गाजा की स्थिति बहुत ही भयावह हो गई। हजारों लोगों की मौत और लाखों लोगों का बेघर होना गाजा को पूरी तरह वीरान कर गया। वहां भुखमरी आज भी अपने चरम पर है। ऐसे में कई दिनों से जारी संघर्ष विराम की कोशिशों के बीच एक अच्छी खबर सामने आ रही है। खबर ये है कि इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध में आखिरकार संघर्ष विराम का पहला चरण तय हो गया है।

यह समझौता काहिरा में हुई बातचीत में हुआ, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20-बिंदुओं वाली शांति योजना पर आधारित है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऐतिहासिक समझौते पर आधिकारिक दस्तावेज गुरुवार को मिस्र की राजधानी काहिरा में हस्ताक्षरित होंगे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसी सप्ताह इस्राइल और मिस्र की यात्रा पर जाएंगे।

व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा, तब इस्राइल 250 आजीवन कारावास पाए हुए फलस्तीनी कैदियों और हमास हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1,700 गाजावासियों को छोड़ेगा। इसके अलावा प्रत्येक मृत इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल 15 मृत गाजावासियों के शव लौटाएगा।

ट्रंप की योजना के तहत, समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधक, चाहे जीवित हों या मृत रिहा कर दिए जाएंगे। कतर के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस पहले चरण में गाजा में राहत सामग्री और जरूरी सहायता भी पहुंचाई जाएगी, जहां अब भुखमरी जैसे हालात हैं।

वहीं इस संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासित बताया। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यह अरब, मुस्लिम देश, इस्राइल, आसपास के सभी देशों और अमेरिका के लिए महान दिन है। हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं।

अब एक नजर गाजा युद्ध पर

गौरतलब है कि गाजा में संघर्ष की शुरूआत दो साल पहले सात अक्तूबर 2023 को हमास का इस्राइल पर हमला करने के साथ हुई थी, जिसमें लगभग 1,200 लोगों की जान गई और 250 को बंधक बना लिया गया।इसके बाद क्या, जब इस्राइल ने हमले करने शुरू किए तब गाजा में तबाही सातवें आसमान पर पहुंत गई। इस्राइल ने पहले तो गाजा पर पूर्ण घेराबंदी और युद्ध की घोषणा की। उसके बाद हमले करने शुरू कर दिए।

संघर्ष विराम के पहले चरण में क्या-क्या?

बता दें कि इस संघर्ष विराम के पहले चरण के तहत, हमास सात अक्तूबर 2023 के हमले के बाद बंदी बनाए गए 48 इस्राइली नागरिकों को रिहा करेगा। हालांकि, इनमें से केवल लगभग 20 लोगों के जीवित होने की उम्मीद है। इसके बदले में इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं, बच्चे और आजीवन कारावास की सजा पाए हुए कैदी शामिल होंगे। पहले के समझौतों के आधार पर, एक इस्राइली बंधक के बदले कम से कम 100 फिलिस्तीनी रिहा किए जाएंगे। इतना ही नहां समझौते के तहत जब तक दोनों पक्ष पूर्ण संघर्ष विराम की शर्तों को नहीं मान लेते, तब तक सभी सैन्य गतिविधियां, जैसे हवाई और तोपों से गोलाबारी रोक दी जाएंगी और सेना अपनी जगह स्थिर रहेगी।

'यूक्रेन के नए मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूस में गैस की भारी कमी', राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा

यूक्रेन। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन नई लंबी दूरी के मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूसी तेल सुविधाओं को निशाना बना रहा है, जिससे वहां गैस की भारी कमी हो गई है। वहीं, जंग के मैदान में यूक्रेन के हालिया जवाबी हमले ने रूस की डोनेत्सक क्षेत्र के पूर्वी हिस्से को कब्जे में लेने की योजना को नाकाम कर दिया है।

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की नई पल्यान्यत्स्या मिसाइल ने रूस के दर्जनों सैन्य डिपो (हथियारों के गोदाम) को निशाना बनाया है। इसके अलावा 'रूता' ड्रोन ने हाल ही में ढाई सौ किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर स्थित एक रूसी समुद्री तेल सुविधा पर हमला कर चुका है। जेलेंस्की ने इस नए हथियार को बड़ी कामयाबी बताया है।

उन्होंने कहा कि ल्यूटी और फायर प्वाइंट जैसे लंबी दूरी के ड्रोन ने रूसी उर्जा केंद्रों को निशाना बनाया है। अभियान में 300 ड्रोन एक साथ दागे गए। इसके अलावा, यूक्रेन की सेना ने हाल ही में रूस के खिलाफ नेपच्यून और फ्लेमिंगो नाम की मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया है। यूक्रेनी नेता ने आगे कहा कि रूस में गैस की कमी और आयात में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि यूक्रेन के हमले प्रभावी साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, खास बात यह है कि रूस अब गैस का आयात कर रहा है। यह एक संकेत है।

यूक्रेन की नई पल्यान्यत्स्या मिसाइल ने रूस के दर्जनों सैन्य डिपो (हथियारों के गोदाम) को निशाना बनाया है। इसके अलावा 'रूता' ड्रोन ने हाल ही में ढाई सौ किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर स्थित एक रूसी समुद्री तेल सुविधा पर हमला कर चुका है।

यूक्रेनी खुफिया रिपोर्ट से पता चलता है कि रूस ने बेलारूस से आयात को छह गुना बढ़ा दिया है और आयात शुल्क हटा दिए हैं। साथ ही वह अब चीन से भी गैस मांग रहा है। जेलेंस्की ने कहा, हमारे आंकड़ों के मुताबिक उन्होंने (रूस) हमारे हमलों के बाद अपने गैस की आपूर्ति का करीब 20 फीसदी हिस्सा खो दिया है। रूसी अधिकारियों ने गैस की संभावित कमी को लेकर अभी तक कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है।

किम जोंग की पार्टी के 80 साल, गुप्त परेड की तैयारी और बड़े नेताओं की मौजदूगी; क्या है पूरी योजना?

उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन की सत्तारूढ़ पार्टी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया 80 वर्ष की हो गई है। ऐसे में उत्तर कोरिया शुक्रवार (10 अक्तूबर) को जश्न की तैयारियों में जुट चुका है। वर्कर्स पार्टी की 80वीं वर्षगांठ पर गुप्त तैयारियां की जा रही हैं। इतना ही नहीं रिपोर्ट्स की मानें तो कई विदेशी नेता भी इस महोत्सव में शामिल होंगे।

वर्कर्स पार्टी का यह समारोह एक बार फिर यह दर्शाएगा कि उत्तर कोरिया चीन और रूस जैसे कुछ प्रमुख वैश्विक शक्तियों और सहयोगियों के साथ अपने संबंधों को कैसे मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जो कि अपने उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि भेज रहे हैं। दरअसल, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन का सबसे अहम सहयोगी चीन रहा है और हाल के वर्षों में उन्होंने रूस के साथ भी संबंध मजबूत किए हैं, क्योंकि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में भाग लेने के लिए सेना भेजकर रूस की मदद की। साथ ही यूक्रेन के खिलाफ लड़ाकू सैनिक और गोला-बारूद की आपूर्ति भी की है।

इतना ही नहीं सितंबर में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशाल सैन्य परेड में भी किम जोंगे ने हिस्सा लिया। बीजिंग की यात्रा के दौरान किम जोंग उन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़े दिखाई दिए थे। अब किम की पार्टी के 80वीं वर्षगांठ के उत्सव के दौरान क्या होगा? इसकी योजनाओं का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कुछ नेताओं और उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों के कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग

चीन की सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार प्रधानमंत्री ली कियांग गुरुवार को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयान पहुंचे। ली की यह यात्रा 2019 के बाद से किसी चीनी नेता की सर्वोच्च स्तरीय यात्रा है। वह चीन में सत्ता के शीर्ष, कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सात सदस्यों में से एक हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें आमतौर पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद चीन में दूसरे नंबर का नेता माना जाता है। ली कियांग हाल ही में कई विदेशी यात्राओं और उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों में चीन का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिनमें सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा भी शामिल है।

बड़ी परेड की तैयारी और हथियारों का शक्ति प्रदर्शन

उत्तर कोरिया ने कई विदेशी गणमान्यों के लिए रेड कार्पेट बिछाया हैं और सभी संकेत बता रहे हैं कि वह एक भव्य परेड में अपने देश के नवीनतम सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन करेंगे। उत्तर कोरिया ने पार्टी की 80वीं वर्षगांठ के जश्न की योजनाओं को पूरी तरह से गुप्त रखा है। ठीक वैसे ही जैसे वो करता आया है। रिपोर्ट ने दक्षिण कोरियाई सेना के हवाले से खुलासा किया है कि ऐसे संकेत मिले हैं कि किम ने राजधानी प्योंगयांग में एक बड़ी परेड की तैयारी में महीनों बिताए हैं, जो संभवत: रात में हो सकती है और जिसमें हजारों लोग शामिल हो सकते हैं। इतना ही नहीं ये भी संभावना जताई जा रही है कि उत्तर कोरिया की अगली पीढ़ी की ह्सोंग-20 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल), उसका नया ह्वासोंग-11 मा हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन और अन्य हाईटेक हथियार प्रणालियां प्रदर्शित की करेगा।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी के मुताबिक रूस उत्तर कोरिया के सत्तारूढ़ पार्टी के वर्षगांठ समारोह में पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव को भेज रहा है, जो पुतिन की अध्यक्षता वाली सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख हैं।

वियतनामी सरकारी मीडिया के अनुसार देश के शीर्ष नेता, कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लाम भी समारोह के लिए उत्तर कोरिया पहुंचे हैं। वियतनाम में कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में टो लाम उत्तर कोरियाई वर्कर्स पार्टी में किम जोंग उन के समान नेतृत्वकारी पद पर हैं। वियतनाम के सरकारी मीडिया ने बताया कि यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं।

लाओस के राष्ट्रपति थोंगलोउन सिसोउलिथ

उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी केसीएनए ने पिछले सप्ताह बताया था कि लाओस के राष्ट्रपति थोंगलोउन सिसोउलिथ भी इस समारोह में शामिल होंगे। वह लाओ पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी के महासचिव हैं।

स्वस्थ नारी, सशक्त समाज – यशोदा हॉस्पिटल नेहरू नगर ने महिला पुलिसकर्मियों संग कैंसर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष संवाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाज तभी सुरक्षित रह सकता है जब उसकी रक्षक महिलाएं स्वयं स्वस्थ हों – इसी संदेश के साथ यशोदा हॉस्पिटल नेहरू नगर ने 9 अक्टूबर को दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में महिला पुलिसकर्मियों के लिए एक विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय था – ब्रेस्ट कैंसर और महिलाओं में तेजी से बढ़ता सर्वाइकल कैंसर, जिसे लेकर विशेषज्ञ डॉक्टरों ने विस्तृत जानकारी साझा की।

गोष्ठी में यशोदा हॉस्पिटल नेहरू नगर की वाइस चेयरपर्सन डॉ. शशि अरोड़ा और डॉ. अनुश्री वर्तक ने महिला पुलिसकर्मियों को कैंसर से बचाव, शुरूआती लक्षणों की पहचान और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की महिला सब-इंस्पेक्टरों और इंस्पेक्टरों सहित बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहीं।

इस अवसर पर एसीपी सलोनी अग्रवाल और एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में एसीपी उपासना पांडे ने मिशन शक्ति फेज-5 के तहत नारी सुरक्षा और नारी स्वावलंबन से जुड़ी पहल की जानकारी दी और कहा – महिला शक्ति तभी प्रभावी होगी जब हर महिला अपने स्वास्थ्य और अधिकारों के प्रति जागरूक होगी।

यशोदा हॉस्पिटल की वाइस चेयरपर्सन डॉ. शशि अरोड़ा ने दोनों एसीपी का गुलदस्ता देकर स्वागत किया और कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता केवल इलाज नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक है। आज की महिला यदि समय पर अपना ध्यान रखे तो न केवल खुद को, बल्कि समाज को भी सुरक्षित रख सकती है। इस दौरान यशोदा हॉस्पिटल की टीम ने सभी महिला पुलिसकर्मियों का जनरल हेल्थ चेकअप भी किया। कार्यक्रम में अस्पताल के जनरल मैनेजर आशीष अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का व्यापारी समाज ने किया अभिनंदन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का व्यापारी समाज ने अभिनंदन किया। इस अवसर पर व्यापारी नेताओं ने कहा कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा एवं व्यापारी समाज का रिश्ता सदैव आत्मीयता का रहा है। सरकार द्वारा जीएसटी संशोधन में महत्वपूर्ण वस्तुओं पर दरें कम करने के निर्णय का व्यापारी समाज खुले मन से स्वागत करता है और आभार व्यक्त करता है।

व्यापारी नेताओं ने कहा कि जीएसटी में कम हुई दरों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिसका लाभ उपभोक्ता और व्यापारियों दोनों को होने वाला है।

उन्होंने 12 लाख तक की आय को कर मुक्त करने के सरकार के निर्णय की भी सराहना की और इसके लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

व्यापारी नेताओं ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से अनुरोध किया कि नगर निगम द्वारा अनपेक्षित एवं अप्रत्याशित कर वृद्धि की गई है, जिसे रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके प्रयास से आम जन को राहत प्राप्त हो सकेगी।

चेयरमैन शिवकुमार गुप्ता, अध्यक्ष संजय रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज त्यागी, महामंत्री अनिरुद्ध वशिष्ठ और अन्य व्यापारी नेताओं ने केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का अभिनंदन किया। इस अवसर पर पार्षद भगवान अग्रवाल, पूर्व पार्षद मनोज गोयल, पार्षद नीलम भारद्वाज, पार्षद राजकुमार भाटी और सुभाष शर्मा सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि वैशाली वाले कार्यक्रम में मंत्री जी बता रहे थे कम हुए जीएसटी के फायदे? मगर यहां पर कुछ लोग ऐसे भी आये थे जो जानना चाह रहे थे बढ़े हुए हाउस टैक्स के कायदे? उन्होंने लगाई हैवीवेट वालों से गुहार? कहा इस समस्या का समाधान आप ही कर सकते हो? बस आपके फैसले का है इंतजार? सुना है हैवीवेट वालों ने कर दिया है साफ? कहा हमने सरकार के तौर पर राय दी है? बाकी बढ़ा हुआ हाउस टैक्स तो मेयर और नगर आयुक्त ही कर सकते हैं माफ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आप एक बात पर दे ही रहे होंगे ध्यान? जिस पार्षद एसोसिएशन ने मचाई हुई थी एक समय पर हाउस टैक्स पर क्रान्ति? ऐसा लग रहा है सभी चले गये हों हिमालय पर लगाने के लिए ध्यान? कहने वाले ने कहा सबको सता रहा है अपने अगले टिकट का डर? इसलिए इन्होंने छोड़ दी है ये वाली डगर? प्रदेश वाले चौधरी साहब की चेतावनी ने भी उड़ा दी है इनकी नींद? अब ये ना अगर कर रहे हैं, ना ही कर रहे हैं मगर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि बृज वाले एरिया के मैम्बर्स और भगवा कमिश्नर की हैवीवेट वाले चेहरे के साथ हुई मीटिंग ने नहीं दिखाया कोई असर? निष्क्रियता में कोई नहीं छोड़ रहा है यहां पर कोई भी कसर? सुना है अब इस बात का दिखाई देने वाला है जल्दी असर? चार मंडलों पर संयोजक लाने की हो गई है तैयारी? ये मामला बृज वाले एरिया पर सबसे पहले एप्लाई होगा? ऐसी लगी है हमको अंदर से जानकारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार वाले मारवाड़ी मैम्बर को शायद नहीं थी इस बात की जानकारी? जिस आरडब्लूए के लैटर पर वो अपना लैटर लगाकर जीडीए में शिकायत करेंगे? वो शिकायत ही पड़ जायेगी उनको भारी? सुना है अवैध निर्माण की शिकायत का दिखा है कुछ अलग ही असर? बड़े से बड़े चेहरे उनको फोन मिला रहे हैं? छोड़ नहीं रहे हैं कोई कसर? किसी मंत्री तो किसी सांसद तो किसी चेयरमैन का आ गया है उनके पास फोन? अब वो फील कर रहे हैं कि शिकायत करके कर दिया है उन्होंने रॉन्ग?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के एक मैम्बर हैं नरेश जिनकी मजबूत बताई जाती है लाठी? सुना है आजकल चर्चाओं में हैं ऐसे ही मिस्टर भाटी? जीएसटी वाले प्रोग्राम में सबसे ज्यादा ले जाने को लेकर उनकी हो रही हैं तारीफें आम? कहने वाले कह रहे हैं भाटी जी ने कुछ ऐसा कर दिया जो नहीं कर पाये संगठन के पदाधिकारी भी काम? सात गाड़ियां वो भर कर ले गये थे? ताकि मजबूत हो प्रोग्राम? बावजूद इसके ना जाने क्यों उनका मन फिर भी है परेशान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें पता चला है जीडीए वालों के पास गये थे त्याग की भावना रखने वाले संगठन के एक पदाधिकारी? पता चला है इन पदाधिकारी पर पड़ गये प्राधिकरण वाले ही भारी? अधिकारी ने इनसे कहा कि अगर इन्होंने अतिक्रमण किया है तो इन्हें वापस मत करने देना प्राधिकरण में प्रवेश? अगर मामला इनका सही है तो हमें कोई समस्या नहीं? बनने देना इनका शेड?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि पूर्व राज्यसभा सांसद के कॉलेज पर मीटिंग ने पैदा कर दी हैं कई दावेदारों के सीने में हलचल? अब वो भी कर रहे हैं तरह-तरह के संदेश जारी? सुना है एक दावेदार कह रहा था कि अग्रवाल जी खुद के लिए नहीं बल्कि अपने पुत्र के लिए की थी उस दिन व्यवस्था सारी? मानने वाले मान रहे हैं अग्रवाल जी की दावेदारी को भारी? क्योंकि सबको है इस बात का एहसास कि पार्टी आला-कमान से वो करवा सकते हैं चुनाव लड़ने के लिए आदेश जारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम बैठे थे एक विधायक के खास लोगों के पास? ये खास लोग करा रहे थे विधानसभाओं के समीकरण का एहसास? कह रहे थे हमें विधायक जी से प्राप्त हुआ है अलग ही ज्ञान? वो कह रहे थे हम जहां हैं वहीं रहेंगे? हमारा कहीं और नहीं है चुनाव लड़ने का प्लान? हमारे एरिया से ज्यादा तो मुराद पूरी करने वाले एरिया में हैं वैश्य वोटों का कोटा? सबके आवास उसी एरिया में आते हैं? अब शहर हो गया है उनके लिए छोटा?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के बॉबी भैया ने दूसरा ताला भी खरीद लिया है यार? पहला ताला वो महामंत्री वाले पद पर लगवाना चाहते हैं? अंदर से पता चला है कि दूसरा ताला उन्होंने किया हुआ है जिला पंचायत के लिए तैयार? उनके दिल में जग गई है फिर से पंचायत वाला चुनाव लड़ने की इच्छा? अगर परिस्थितियां पहले जैसी नहीं बनी? तो फिर वो नहीं करेंगे कोई भी प्रतिक्षा? रख देंगे खोल कर पार्टी वालों के सामने अपने अरमान? बता देंगे तब नहीं पूरा हुआ, लेकिन अब तो पूरा कर दो हमारा पुराना वाला प्लान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आप एक बात तो नोट कर रहे होंगे श्रीमान? शहर के किसी भी हिस्से में होर्डिंग लगाने से चूक नहीं रहे हैं एक मिस्टर चौहान? हमें पता नहीं इतने सारे होर्डिंग लगवाने के पीछे क्या है उनकी चाहत? मगर हमें इतना पता चला है कि ऐसा करके उस हिसाब से नहीं बना पा रहे हैं कार्यकर्ताओं के अंदर स्थान? कहने वाले ने कहा अगर वो कार्यकर्ताओं के बीच में रहकर करें ऐसे प्रयास? सच बता रहे हैं जमीन से उठेगी उनके नाम की आवाज?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

शोक संवेदना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने आशीष भाटी के निधन पर शोक व्यक्त किया। वरिष्ठ भाजपा नेता तथा पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी के पुत्र आशीष भाटी नोएडा प्राधिकरण में डीजीएम थे। बीते दिनों उनका निधन हो गया। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया नोएडा स्थित उनके आवास पर पहुंचे और परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया।

चेयरमैन विभू बंसल का अधिकारियों के साथ यातायात पर मंथन

प्रशासन ने संभाली कमान, अंडरपास निर्माण बना चुनौती

पिलखुवा, करंट क्राइम। विकास की रफ़्तार के साथ अब चुनौतियाँ भी तेज हो गई हैं। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अंतर्गत उत्तर रेलवे द्वारा परतापुर बाईपास पर रेलवे संपर्क संख्या 85सी पर अंडरपास निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है, लेकिन इसी के चलते मोदीनगर दिशा से आने वाले वाहनों को अब नगर के भीतरी मार्गों से होकर गुजरना पड़ रहा है।

परिणामस्वरूप गाजियाबाद रोड, दिल्ली रोड और पिलखुवा बाजार क्षेत्र प्रतिदिन जाम की गिरफ्त में आ रहे हैं – जिससे छात्र, व्यापारी और आम नागरिक सभी परेशान हैं। इसी गंभीर स्थिति पर नियंत्रण के लिए गुरुवार को नगर पालिका परिषद पिलखुवा में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उपजिलाधिकारी मनोज सिंह ने की।

बैठक में सीओ अनीता चौहान, कोतवाल स्वप्निल पाटनीस, अधिशासी अधिकारी इंदरपाल सिंह, प्रमुख व्यापारी प्रवीण मित्तल और सुबोध गुप्ता समेत कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे। चर्चा में वैकल्पिक मार्ग, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक जैसे ठोस प्रस्ताव सामने आए।

नगर पालिका अध्यक्ष विभु बंसल ने बैठक में स्पष्ट कहा, विकास के रास्ते पर असुविधा को स्थायी नहीं होने देंगे। अंडरपास निर्माण हमारे नगर की प्रगति का प्रतीक है, लेकिन नागरिकों की सुविधा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि जल्द ही नगर के प्रमुख चौराहों पर यातायात संकेतक, दिशा बोर्ड और स्वयंसेवी सहयोग दल की तैनाती की जाएगी ताकि जाम की स्थिति से तत्काल राहत मिल सके।

नगर प्रशासन, पुलिस और पालिका के इस संयुक्त प्रयास से उम्मीद जताई जा रही है कि पिलखुवा की सड़कों पर जल्द ही यातायात फिर से सामान्य रफ़्तार पकड़ लेगा।

मुठभेड़ में घायल अपराधी की इलाज के दौरान मौत अब मजिस्ट्रियल जांच – जनता से मांगे गए साक्ष्य

20 अक्टूबर तक बयान या सबूत देने की अपील

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई 20 सितंबर की मुठभेड़ में घायल अपराधी बलराम पुत्र श्याम सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई है। घटना पर अब मानवाधिकार आयोग के निर्देशों के तहत मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई है। नगर मजिस्ट्रेट, जो इस प्रकरण के जांच अधिकारी हैं, ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी के पास इस मुठभेड़ से जुड़ी कोई भी जानकारी, बयान या साक्ष्य है, तो वे 20 अक्टूबर तक कार्यालय में प्रस्तुत करें।

जानकारी के अनुसार, अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध), क्राइम ब्रांच और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हुई मुठभेड़ में घायल बलराम, निवासी रोगन, थाना जहाँगीराबाद, बुलंदशहर की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी।

इस मामले में थाना वेबसिटी, कमिश्नरेट गाजियाबाद पर मुकदमा संख्या 0287/2025, धारा 109(1), 303(2), 317(2), 345(3), 3(5) बीएनएस व 3/25/27 आयुध अधिनियम के तहत मृतक बलराम व तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज है।

पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली को भेजी गई रिपोर्ट में इस मुठभेड़ की मजिस्ट्रियल जांच की संस्तुति की गई थी, जिस पर जिलाधिकारी गाजियाबाद ने नगर मजिस्ट्रेट को जांच अधिकारी नामित किया है। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि पूर्व में सूचना जारी करने के बावजूद अब तक किसी भी व्यक्ति ने कोई साक्ष्य या बयान प्रस्तुत नहीं किया है।

उन्होंने पुनः स्पष्ट किया है कि इच्छुक व्यक्ति 24 अक्टूबर 2025 तक अपना साक्ष्य या बयान (लिखित, फोटो, ऑडियो या वीडियो रूप में) कक्ष संख्या 104, सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय, कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में प्रस्तुत कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 9415425932 पर संपर्क कर सकते हैं।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।